Courier Correo Courrier

April 2019
Volume 34, Number 1

Mennonite World Conference
A Community of Anabaptist related Churches

Congreso Mundial Menonita
Una Comunidad de Iglesias Anabautistas

Conférence Mennonite Mondiale
Une Communauté d'Eglises Anabaptistes

4

प्रेरणा और मनन

सुलह करना: बच्चों के लिए एक कहानी

6

दृष्टिकोण

बच्चों को बाइबल की शिक्षा

12

देश

फिलीपींस

15

संसाधन

विश्व सम्मेलन समाचार: इण्डोनेशिया 2021

विश्व सहभागिता रविवार

याब्स सहभागिता सप्ताह

डीकन्स कमीशन के सदस्यों का परिचय

शान्ति रविवार

अध्यक्ष की कलम से

रिन्यूवल 2027 कोस्टा रिका

मुखपृष्ठ पर तस्वीर

अबेदनगो टेटेह कोरान ने चित्र के माध्यम से यह बताया है कि कलीसिया में उससे सबसे अधिक क्या पसन्द है। अबेदनगो घाना मेनोनाइट चर्च, सोमान्या शाखा में आराधना करता है।

Courier Correo Courrier

Volume 34, Number 1

Courier/Correo/Courrier is a publication of Mennonite World Conference. It is published twice a year, containing inspirational essays, study and teaching documents and featurelength articles. Each edition is published in English, Spanish and French.

César García Publisher
Kristina Toews Chief Communications Officer
Karla Braun Editor
Melody Morrissette Designer
Sylvie Gudin Koehn French Translator
Diana Cruz Spanish Translator
Beatriz Foth Spanish Translator
Marion Meyer English Translator
Marisa Miller Spanish Proofreader
Eunice Miller Spanish Proofreader

Courier/Correo/Courrier is available on request. Send all correspondence to:
Courier, 50 Kent Avenue, Suite 206, Kitchener, Ontario N2G 3R1 Canada

Email: info@mwc-cmm.org
Website: www.mwc-cmm.org
Facebook: www.facebook.com/MennoniteWorldConference
Twitter: @mwcmm
Instagram: @mwcmm

Courier/Correo/Courrier (ISSN 1041-4436) is published twice a year. See https://www.mwc-cmm.org/article/courier for publication schedule history.

Mennonite World Conference, Calle 28A No. 16-41 Piso 2, Bogotá, Colombia. T: (57) 1 287 5738.
Publication Office: Courier, 50 Kent Avenue, Suite 206, Kitchener, Ontario N2G 3R1 Canada. T: (519) 571-0060.

Publications mail agreement number: 43113014
Printed in Canada at Derksen Printers using vegetablebased inks on paper from a responsible sustainable forest program.

सम्पादकीय

''बालकों को मेरे पास आने दो, और उन्हें मना न करो, क्योंकि स्वर्ग का राज्य ऐसों ही का है'' (मत्ती 19:14)। सुसमाचार में यीशु के इन वचनों को लिखा गया है जो उसने ऐसे लोगों से कहे जो यीशु की उपस्थिति से बच्चों को दूर करना चाहते थे।

इस पद में यीशु ने जो कहा वह आज भी बिल्कुल सच है; कलीसिया में भाग लेने का बच्चों का एक अपना ही तरीका होता है, यह वयस्कों से भिन्न है, परन्तु सीखने और बाँटने की उनकी विशेष क्षमता के अनुरूप होता है।

कलीसियाओं को बच्चों की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील होने की आवश्यकता है। कॉंफ्रेंसों और साझेदार एजेंसियाँ को ऐसी नीतियाँ और ढांचे सुविकसित करने की आवश्यकता है जो स्थानीय स्तर पर लागू किए जा सकें। स्थानीय स्तर पर, कलीसियाएं नीतियाँ तैयार करें और ऐसे लोगों को प्रशिक्षित करे जो बच्चों को उन पर आने वाले खतरों से बचाने के लिए कार्य करते हैं।

इस अंक में, कुछ उदाहरण प्रस्तुत किए गए हैं कि किस प्रकार से वैश्विक ऐनाबैपटिस्ट मेनोनाइट परिवार के सदस्य संसार भर में अपनी अपनी स्थानीय कलीसिया में बच्चों के लिए स्थान तैयार कर रहे हैं।

गेर्डा लैण्ड्स (मेनोनाइटेन हेमियइनडेन. वी., थॉमस हाफिन, जर्मनी) बताती हैं कि किस प्रकार से *सुरक्षित कलीसिया* (एक परियोजना) की नीतियाँ आपस में एक स्वस्थ विचार विमर्श को बल प्रदान करती हैं। वे स्वयंसेवकों को न सिर्फ यह सिखाते हैं कि किस प्रकार से बच्चों को शोषण से बचाया जाए, बल्कि सकारात्मक आचरण पर चर्चाओं के लिए प्रेरित भी करते हैं ताकि बच्चों के पोषण और शक्तिकरण के लिए एक वातावरण तैयार हो सकें।

कनाडा के एलसी रेम्पल ने बच्चों को कहानी सुनाने का एक नमूना प्रस्तुत किया है जिसमें यह बताया गया है कि बाइबल की शिक्षाओं को किस तरह से बच्चों के सीखने के स्तर के अनुरूप रोचक और संवादमूलक तरीके से सिखाया जा सके।

भारतीय जुक्ता ख्रिस्ता प्रचार मण्डली कलीसिया की जेसिका मोण्डल ने अपने लेख में यह लिखा है कि किस प्रकार से उनकी मण्डली अपने शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के प्रति गम्भीर है। तेजी से बदलते हुए इस संसार में, यह मण्डली इस बात को समझती है कि जिन बच्चों के बीच वे सेवा कर रहे हैं उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य करना अत्यंत आवश्यक है।

परन्तु बच्चे भी सुसमाचार के सन्देश को ग्रहण करने और उसके अनुसार कार्य करने को तैयार हैं। जुआन कार्लोस मोरेनो यह बता रहे हैं कि किस प्रकार से पेरू में बच्चों के बीच सेवकाई करने वाले अगुवों ने यह पाया कि बच्चे न सिर्फ सुसमाचार को ग्रहण कर रहे हैं, परन्तु इसे दूसरों के साथ बाँट भी रहे हैं।

जिम्बाब्वे में, शान्ति समूहों द्वारा मसीही शिक्षा के साथ साथ शान्ति स्थापित करने के कौशल और सृष्टि की चिन्ता करने का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

वैश्विक स्तर पर, एमडब्ल्यूसी ने 13 अन्य आयोजकों के साथ मिलकर बेघर बच्चों पर एक कार्यक्रम *फेथ एक्शन ऑन चिन्ड्रन ऑन द मूव* का आयोजन किया: यह वैश्विक साझेदारों का एक फोरम है जिसका आयोजन 16 से 19 अक्टूबर 2018 तक रोम, इटली में किया गया। इस फोरम का उद्देश्य सीखना, आदान प्रदान करना, जानकारी उपलब्ध कराना, और योजना तैयार करना था। विश्वासी लोग इस संसार में एक शक्तिशाली बल हैं जो आचरण और रवैया दोनों में बदलाव लाने वाले उत्प्रेरकों के रूप में कार्य करते हैं। आयोजक आगे कदम उठाने के लिए ठोस योजना तैयार करने में जुटे हुए हैं।

इस अंक में, आपके लिए एमडब्ल्यूसी वर्ल्ड मैप भी दिया गया है, जिसका प्रिंट निकाल कर आप अपनी दीवाल पर टांग सकते हैं। साथ ही, दिए गए लिंक पर जाकर आप भी दूसरे नक्शे और जनसांख्यिक जानकारियाँ प्राप्त कर सकते हैं।

इस अंक में विश्व सम्मेलन से सम्बन्धित समाचार भी आपको मिलेंगे, जिसमें आगामी सम्मेलन इण्डोनेशिया 2021 के विषय आरम्भिक जानकारियाँ प्रदान की गई है।

इस दौरान एमडब्ल्यूसी के आयोजन जारी हैं: कोस्टा रिका में रिन्यूवल 2027 के लिए एक सम्मेलन, और विश्व सहभागिता रविवार, शान्ति रविवार, और याब्स सहभागिता रविवार के स्थानीय स्तर पर आयोजन: यह स्थानीय मण्डलियों में वैश्विक ऐनाबैपटिस्ट परिवार का उत्सव मनाने के अवसर हैं।

कार्ला ब्राउन कूरियर पत्रिका की सम्पादिका हैं और मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस के लिए एक लेखिका हैं। वे विन्नीपेग, कनाडा में निवास करती हैं।

जर्मनी

बच्चों की सुरक्षा

गेर्डा लेण्ड्स

''क्या इस प्रकार के विषयों की ओर ध्यान देना वास्तव में आवश्यक है (शारीरिक शोषण, उपेक्षा)? मेरा मतलब है, हम तो एक मसीही कलीसिया के अंग हैं!'' ऐसी ही प्रतिक्रिया सामान्य रूप से मैं सुनता हूँ जब मैं ''सुरक्षित कलीसिया'' *(सेफ चर्च)*[1] के विषय पर लोगों को शिक्षा देता हूँ।

तौभी, यह दुखद सत्य है कि कलीसियाएं इसलिए सुरक्षित स्थान नहीं हो जाती क्योंकि वे कलीसियाएं हैं। एक सुरक्षित वातावरण अपने आप निर्मित नहीं हो जाता। इसके लिए कार्य करने की आवश्यकता है और सक्रिय होकर इसे विकसित करने की आवश्यकता होती है।

सुरक्षा और सलामती बुनियादी मानवीय आवश्यकताएं हैं। असुरक्षा तब उत्पन्न होती है जब व्यक्तिगत सीमाओं का उल्लंघन किया जाता है। अक्सर ऐसा जानबूझ कर नहीं किया जाता। समस्या तब उत्पन्न होती है जब एक दूसरे की सीमाओं को गम्भीरता से न लिए जाने के कारण, या कभी कभी जानबूझ कर भी इन सीमाओं का आदर नहीं किया जाता।

पिछले वर्ष के दौरान, हमने विशेष रूप से बचाव और सुरक्षा के विषय को सम्बोधित किया था। हमने यह विचार मंथन किया था कि हम सीमाओं का उल्लंघन करने, शर्मनाक या हिंसक आचरण को रोकने के लिए क्या कर सकते हैं।

हम कौन हैं और हमारा कार्य क्या है?

दक्षिण मेनोनाइट चर्चेस की युवा सेवकाई के रूप में, हम बच्चों, किशोरों, और युवाओं के लिए क्षेत्रीय शिविरों का आयोजन करते हैं। हम ऐसे अवसर उत्पन्न करने का प्रयास करते हैं कि वे परमेश्वर से मुलाकात कर सकें, परमेश्वर के बारे में जान सकें, परमेश्वर के प्रेम का अनुभव कर सकें और अपना दैनिक जीवन एक मसीही के रूप में बिताने के विषय में विचार कर सकें। हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने शिविरों में सुरक्षित वातावरण कायम रखें, ताकि प्रत्येक व्यक्ति हमारे शिविरों में सहज महसूस कर सकें।

हमारे शिविरों में कौन भाग लेता है?

दक्षिण की विभिन्न मेनोनाइट कलीसियाओं के प्रतिभागी इन शिविरों में शामिल होते हैं। हम उन्हें प्रोत्साहित करते हैं कि वे स्कूलों और अपने आसपड़ोस से अपने मित्रों को आमंत्रित करें। उनमें से कुछ लोग काफी समय से परमेश्वर को जानते हैं, शेष परमेश्वर के विषय में अधिक नहीं जानते।

अपने कार्यक्रमों में हम, प्रतिभागियों के विश्वास को ही मजबूत करने तक सीमित रहना नहीं चाहते। हम उनके आत्म–सम्मान और उनकी आत्म निर्भरता को भी बल प्रदान करना चाहते हैं। उन्हें उत्साहित किया जाता है कि वे अपनी स्थिति के अनुरूप सहीं समय पर ''हाँ'' या ''नहीं'' कहना सीख सकें। हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि उन्हें उत्साहित करें कि वे अपने भावनाओं को पहचान सकें और उन्हें गम्भीरता से ले सकें। हम चाहते हैं कि युवा उनकी सुरक्षा करने वाली सीमाओं को ले कर जागरूक रहें, इन सीमाओं को निर्धारित कर सकें और इनके विषय पर खुल कर बात कर सकें।

हमारे शिविर के अगुवे कौन हैं?

शिविर के अगुवे अधिकांशतः युवा वयस्क हैं जो पहले इन शिविरों में भाग ले चुके हैं और अब धीरे धीरे अगुवे के रूप में आगे आ रहे हैं। परमेश्वर पिता और प्रभु यीशु मसीह के साथ एक जीवित सम्बन्ध कायम रखना और उसके प्रेम के विषय में बात करना हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। अगुवों के रूप में, वे पारदर्शिता की अनुमति देते हैं और सुरक्षा का प्रबन्ध करते हैं।

हमारे लिए महत्वपूर्ण क्या है?

हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने शिविर के अगुवों के लिए शिक्षा का प्रबन्ध करें ताकि वे हमारे शिविर के प्रतिभागियों के प्रति सम्मान, प्रेम, और चिन्ता का व्यवहार प्रगट कर सकें।

हम अपने शिविर के अगुवों के लिए सप्ताह के अन्त में सेमीनारों का आयोजन करते हैं, अगुवा बनने के लिए इन में से कुछ सेमीनारों में भाग लेना आवश्यक है।

हम अगुवों से यह आशा रखते हैं कि उन्हें जिन बच्चों, किशारों और युवाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है वे उनके साथ एक अच्छा रिश्ता विकसित करें। इस कारण से हमने आचार संहिता भी तैयार किया है। इस पर हस्ताक्षर करने के द्वारा, प्रत्येक शिविर अगुवा हमारे शिविर के प्रतिभागियों के साथ इसके अनुसार व्यवहार करने के लिए प्रतिबद्ध रहता है।

सुरक्षा और सलामती बुनियादी मानवीय आवश्यकताएं हैं। असुरक्षा तब उत्पन्न होती है जब व्यक्तिगत सीमाओं का उल्लंघन किया जाता है।

हमारी आचार संहिता के कुछ बिन्दु निम्नलिखित हैं:

- मैं उन बच्चों और युवाओं को सभी हानियों, खतरों, शोषण, और हिंसा से सुरक्षित रखना चाहता हूँ जिनकी जिम्मेदारी मुझे सौंपी गई है।
- मैं व्यक्ति विशेष की सुरक्षा के लिए उसके द्वारा निर्धारित सीमाओं का आदर करता हूँ और उन्हें गम्भीरता से लेता हूँ।
- मैं लिंग भेद, नस्लभेद, भेदभाव करने वाले और मौखिक और गैरमौखिक हिंसक आचरण करने वाले लोगों के विरूद्ध सक्रियता से कदम उठाता हूँ।
- मैं अपमानजनक और शर्मनाक आचरण से दूर रहता हूँ और यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता हूँ कि अन्य लोग भी इस प्रकार के आचरण से दूर रहें।

मैं समझता हूँ कि इस वर्ष के लिए हमारा मूल पद बिल्कुल उपयुक्त है। ''बुराई को छोड़ और भलाई कर, मेल को ढूंढ़ और उसी का पीछा कर'' (भजन 34:14)।

गेरडा लैण्ड्स बच्चों और युवाओं के बीच में मेनोनाइट चर्च, कार्ल स्तुहेथामसोफ के लिए दक्षिण जर्मनी में सेवकाई करती है।

[1]सेफ चर्च नीतियों और प्रशिक्षण का एक तंत्र है जो नाबालिगों को शोषण से बचाने का, शोषित बच्चों और किशोरों में दिखाई देने वाले चिन्हों को पहचान कर उनकी उपयुक्त सहायता करने का, और जोखिम में पड़े लोगों को हानि से बचाते हुए एक स्वस्थ वातावरण के लिए जागरूकता को बढ़ावा देने का करता है।

बच्चों के लिए एक कहानी

इस कहानी में बच्चों के साथ आराधना करने के एक तरीके को सामने लाया गया है। लेखिका का मानना है कि कहानी के आरम्भ से ही परमेश्वर के साथ बच्चों के सम्बन्ध और पवित्रशास्त्र से शिक्षा प्राप्त करने की पवित्रता को महत्व देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। लेखिका के द्वारा बीच बीच में पूछे जाने वाले प्रश्नों का उत्तर बोल कर देना अनिवार्य नहीं है। ऐसे प्रश्न बाइबल की शिक्षाओं के विषय में बच्चों के सोच विचार की प्रक्रिया को आरम्भ करने के उद्देश्य से पूछे गए हैं। भले ही इन प्रश्नों के माध्यम से बीच बीच में रोचक वार्तालाप आरम्भ हो जाते हैं, परन्तु यह मान कर चलना पूरी तरह से उचित है कि इन प्रश्नों के द्वारा बच्चे के हृदय और मन में पवित्र आत्मा का कार्य चुपचाप आरम्भ हो सकता है।

सुलह करना

(झगड़े समाप्त करना/मेलमिलाप करना)

लेखिका: एलसी रेम्पल
कलीसिया: चार्ल्सवुड मेनोनाइट चर्च, विन्नीपेग, मनिटोबा, कनाडा
मूलविषय: यीशु चाहता है कि हम दूसरों के साथ अपने झगड़े जल्दी समाप्त कर दें।
मूलपाठ: मत्ती 5:22–25अ

आरम्भिक गतिविधि

जैसे ही बच्चे कक्षा में आते हैं उनका स्वागत करें और उन्हें यह बताएं कि आपको उनके साथ कक्षा में समय बिताने पर बड़ी खुशी मिलती है। बच्चों के साथ बैठ जाएं और बच्चों के ध्यान में इस बात को लाएं कि इस समय परमेश्वर उनके निकट है।

कुछ ठहर कर, बच्चों से प्रश्न करें कि क्या पिछले सप्ताह उनमें से किसी का किसी से कोई झगड़ा हुआ था। क्या किसी ने क्षमा मांगी और सुलह (मेलमिलाप) किया ताकि वे फिर से एक साथ मिलकर खेल सकें? एक साथ मिलकर विचार करें कि झगड़ों को सुलझाना इतना कठिन और इतना महत्वपूर्ण क्यों हो सकता है।

उन्हें बताएं कि आज वे मत्ती 5 के कुछ पदों को पढ़ेंगे और इन पदों की सहायता से कुछ बातों को सीखेंगे। इन पदों में बात में झगड़ा सुलझाने, या अपने बीच के विवादों का समाधान करने के विषय पर चर्चा की गई है। बच्चों के लिए पद 22 से लेकर पद 25अ तक पढ़ें। कहानी आरम्भ करने से पहले उन्हें समय दें कि पवित्रशास्त्र के ये वचन उनके विचारों में स्थान बनाने लगे।

कहानी

माइकल नाम का एक लड़का था जिसे अनुशासन का पालन करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। वह अपने शिक्षक शिक्षिकाओं और दोस्तों के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहता था, परन्तु अचानक, कुछ ऐसा हो जाता था जो उसे क्रोधित कर देता था। जब उसे क्रोध आता था, तो वह सारे अनुशासन और नियमों को भूल जाता था और आक्रामक हो जाता था। इससे पहले वह अपने आप को सम्भाल पाता, उसकी शिकायत शिक्षक शिक्षिकाओं या प्रधानाचार्य तक पहुँच जाती थी, और उसे उन्हें यह उत्तर देना पड़ता था कि उसने ऐसा क्यों किया, और आगे से वह किन किन बातों का ध्यान रखेगा कि फिर ऐसा न हो? कभी कभी तो उसके माता पिता को भी बुलाकर उनसे कहा जाता था कि वे घर में माइकल से इस विषय पर बात करें और उसे समझाएं।

माइकल जानबूझकर ऐसा नहीं करता था। उसे इस तरह से परेशानी में फँसना बिल्कुल अच्छा नहीं लगता था। उसे लगता था कि इतने सारे नियम क्यों बनाए जाते हैं। वह यह भी सोचता था कि वह इतना क्रोधित क्यों हो जाता है जबकि उसकी कक्षा के अन्य बच्चे खेल में लगे रहते हैं। आज एक लड़की ने, जो कभी किसी गलती के कारण पकड़ी नहीं गई थी, उसे भोजनावकाश के समय चिढ़ा दिया और उसे उपद्रवी कह दिया। इससे पहले कि माइकल अपने आप को सम्भाल पाता, उसे एकदम से क्रोध आ गया, और उसने उस लड़की की नाक पर घूसा मार दिया, और फिर वही हुआ, उस लड़की ने शिकायत कर दी, और माइकल फिर से परेशानी में फँस गया।

उस शाम, भोजन के पश्चात, माइकल के पिता उसे बाहर घुमाने ले गए और उससे पूछा कि बार बार परेशानी में पड़ कर उसे कैसा महसूस होता है। माइकल ने अपने पिता को बताया कि उसे यह बिल्कुल पसन्द नहीं है और उसने यह भी बताया कि किस तरह से उसे उपद्रवी कह कर चिढ़ाया जाता है। कुछ समय तक दोनों चुपचाप चलते रहे। उसके बाद वे यह सोच विचार करने लगे कि क्या माइकल अपने लिए कोई ऐसी तरकीब निकाल सकता है जिससे कि उसे नियमों का पालन करने में आसानी हो। उसके पिता को कुछ तरकीबें याद आ गईं जिनकी सहायता से उन्हें अपने स्कूल के दिनों में नियमों का पालन करने में सहायता मिलती थी।

उन्होंने निर्णय लिया कि वे एक शान्ति का बैण्ड (पीस ब्रेसलेट) तैयार करेंगे जिसे माइकल पहन कर रखेगा।

यह एक रस्सी से तैयार किया गया। उन्होंने तय किया कि प्रत्येक तरकीब के लिए वे इस बैण्ड पर एक गाँठ बान्धेंगे। उन्होंने बहुत सी तरकीबों पर विचार किया। माइकल को यह जानकर बहुत खुशी हुई कि परेशानी में न पड़ने के लिए उसके पास अब बहुत सी तरकीबें हैं। उन्होंने एक तरकीब और जोड़ा जिससे कि तुरन्त ही सुलह हो जाए, यह तरकीब थी कि माइकल यह कहेगा, ''मुझे क्षमा करें। मैं आपको चोट नहीं पहुँचाना चाहता था।'' यदि वह किसी को चोट पहुँचा भी दे, तो क्षमा मांगने से वह परेशानी से बच जाएगा, क्योंकि बात शिक्षक शिक्षिकाओं तक नहीं पहुँचेगी।

इस ब्रेसलेट को बनाते समय उसे सबसे अच्छी बात यह लगी कि इससे वह यह जान सका कि उसके पिता उससे प्रेम रखते हैं और उसकी समस्या को समझते हैं। वह जान गया कि जब वह इन नयी तरकीबों को स्कूल में आजमाएगा, तो उसके पिता उसके लिए प्रार्थना करते रहेंगे।

अगली सुबह, माइकल यह ब्रेसलेट पहन कर स्कूल गया और उसके पिता ने उसके लिए प्रार्थना किया। माइकल को लगा कि उसकी कलाई में उसके पास एक शक्तिशाली रक्षक है। वह लड़की जो कभी किसी गलती के कारण पकड़ी नहीं गई थी, फिर से उसके पास आई, और उसे फिर से चिढ़ाया, परन्तु इस बार, उसे घूंसा मारने के लिए अपनी मुट्ठी बाँधने के बदले, माइकल ने अपनी कलाई पर बंधे ब्रेसलेट पर अपनी उंगलियाँ फेरी और उन तरकीबों को याद किया जिसे उसने अपने पिता के साथ मिलकर निकाला था। वह उस लड़की ओर देख कर मुस्कुराया और वहाँ से चला गया।

विचार करने के लिए प्रश्न

- मैं जानने को उत्सुक हूँ कि परेशानी में न पड़ने के लिए उन्होंने क्या क्या तरकीब बनाई थी?
- मैं यह समझना चाहती हूँ कि नियमों का पालन करने में कुछ लोगों को कठिनाई क्यों होती है, जबकि कुछ लोग बड़ी सरलता से इन नियमों का पालन करते हैं?
- हमें विचार करना चाहिए कि किस तरह से हम अपने झगड़ों को तुरन्त सुलझा सकते हैं ताकि हम परेशानी में न पड़े?

प्रार्थना

परमेश्वर पिता, हम माइकल और उसके पिता के समान लोगों के लिए तुझे धन्यवाद देते हैं, जिन्होंने ऐसी तरकीबें निकाली कि उन्हें दूसरों के साथ अच्छा व्यव्हार करने में सहायता मिले। हम तुझे धन्यवाद देते है कि तूने हमें आज यह सिखाया कि हमें तुरन्त अपने झगड़ों को समाप्त करना है। हमारी सहायता कर कि दूसरों के साथ अच्छा व्यव्हार करने की तरकीबें हम भी निकाल सकें। आमीन।

एलसी रेम्पल ने मास्टर ऑफ थियोलॉजी का कोर्स किया है, और 2012 से 2015 तक मेनोनाइट चर्च कनाडा के लिए मसीही निर्माण के क्षेत्र में सेवकाई दी है, साथ ही दशकों तक बच्चों के बीच सेवा किया है। वर्तमान में वे उस आयु वर्ग के बच्चों पर ध्यान केन्द्रित कर रही हैं, जिन्होंने अभी स्कूल जाना आरम्भ नहीं किया है। बच्चों की यह कहानी मेनोनाइट चर्च कनाडा स्टोरी आरकाइव्ह का हिस्सा है, जिसे शिक्षक और मसीही अगुवे इस लिंक पर जाकर डाउनलोड कर सकते हैं:
https://www.commonword.ca/Browse/833

चित्र: योसेफीन सुलिस्टयोरिनि

दृष्टिकोण

इस अंक में, कुछ उदाहरण दिए गए हैं कि संसार भर में किस प्रकार से ऐनाबैपटिस्ट मेनोनाइट परिवार के सदस्य अपनी स्थानीय कलीसियाओं में बच्चों के लिए स्थान तैयार कर रहे हैं।

भारत

बच्चों को बाइबल की शिक्षा

श्रीमती जेस्सिका मोण्डल

''और तू इन्हें अपने बाल बच्चों को समझाकर सिखाया करना, और घर में बैठे, मार्ग में चलते, लेटते, उठते, इनकी चर्चा किया करना'' (व्यवस्थाविवरण 6:7)।

हजारों वर्ष पूर्व परमेश्वर ने सीधे सीधे इस्राएलियों को यह आज्ञा दी गई थी कि वे अपने बाल बच्चों को परमेश्वर के वचन की शिक्षा दें, क्योंकि बच्चे परमेश्वर की दृष्टि में मूल्यवान हैं। परमेश्वर ने बच्चों की सृष्टि की, वह उनसे प्रेम रखता है, और सबसे महत्वपूर्ण बात, वह नहीं चाहता कि वे नाश हों। बच्चों को शिक्षा देने की यह आज्ञा आज 21वीं शताब्दी में हम पर भी लागू होती है।

अनेक कलीसियाएं इस बात को समझती हैं और वे बच्चों को अलग अलग तरीकों से अपने साथ जोड़ कर रखती हैं। कुछ कलीसियाओं में बच्चों के लिए सण्डे स्कूल का अयोजन किया जाता है। कुछ अन्य कलीसियाओं में बच्चों को नियमित आराधना सभाओं में कुछ विशेष जिम्मेदारियाँ दे कर शामिल किया जाता है, जैसे, भेंट उठाना, शास्त्रपाठ का पठन करना, आराधना में अगुवाई करना, वाद्ययंत्र बजाना, गीत पुस्तकों का वितरण करना या उन्हें इकट्ठा करना।

सण्डे स्कूल शिक्षक शिक्षिकाओं का प्रशिक्षण

सण्डे स्कूल संचालन के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू सण्डे स्कूल शिक्षक शिक्षिकाओं का प्रशिक्षण है।

अक्सर, लोग सण्डे स्कूल में शिक्षा देने का कार्य इसलिए आरम्भ करते हैं क्योंकि उन्हें बच्चों से प्रेम है और उनके प्रति बोझ है, भले ही, इसके लिए वे विशेष रूप से प्रशिक्षित न किए गए हों। साथ ही, काफी समय बीत जाने के बाद, यह आवश्यक है कि शिक्षक शिक्षिकाएं अपने आप को अपग्रेड करें, क्योंकि संसार तेजी से बदलता जा रहा है।

समय के साथ बच्चे पहले की तुलना अब काफी आगे बढ़ चुके हैं। टेक्नालॉजी हमारे जीवन के हर पहलू पर असर करती दिखाई देती है। इसलिए कलीसियाएं शिक्षक शिक्षिकाओं के लिए प्रशिक्षण और कार्यशालाओं का आयोजन करती हैं, या उन्हें कहीं और प्रशिक्षण या कार्यशालाओं के लिए भेजती है। बच्चों तक पहुँचने के लिए नई रचनात्मक शिक्षण विधियों और टेक्नालॉजी का इस्तेमाल सीखना सचमुच में एक आशीष है।

हमारी मेनोनाइट कलीसिया कॉंफ्रेंस ने इस बात के महत्व को समझ लिया है और भिन्न भिन्न क्षेत्रों में सण्डे स्कूल शिक्षक शिक्षिकाओं के प्रशिक्षण का प्रबन्ध कर रही है। इस वर्ष दो क्षेत्रों में दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें बाहर से प्रशिक्षकों को बुलाया गया था, अगले वर्ष फिर से दो प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

सण्डे स्कूल में चुनौतियाँ

सण्डे स्कूल के संचालन में एक चुनौती यह है कि जिम्मेदारी वहन करने वाले सदस्यों की संख्या कम है। स्वयं को योग्य न समझना, बच्चों को सम्भाल पाने का आत्मविश्वास न होना, या पाठ तैयार कर उन्हें सिखाना के लिए पर्याप्त समय न होना इसके मुख्य कारण हैं।

यदि शिक्षकों की संख्या पर्याप्त नहीं है तो बच्चों को आयु वर्ग के अनुसार विभाजित नहीं किया जा सकता। इस प्रकार से, सण्डे स्कूल प्रत्येक आयु समूह के बच्चों की आवश्यकताओं का ध्यान नहीं रख पाती। कोई न कोई आयु वर्ग उपेक्षित हो ही जाता है।

कलीसिया में बच्चों के लिए अन्य गतिविधियाँ

2015 में, हमारी कलीसिया ने दो अन्य कलीसियाओं के साथ मिलकर संयुक्त रूप से अवकाशकालीन बाइबल शाला का आयोजन किया, जिसका प्रमुख विषय था: ''यीशु हमारा मित्र है।'' बच्चों के लिए यह एक अच्छा अवसर था कि वे एक दूसरे से मिलें और एक दूसरे को जाने। हमने इस प्रमुख विषय से सम्बन्धित बाइबल की कहानियों के माध्यम से बच्चों को शिक्षा दी, और बच्चों को उत्साहित किया कि वे अधिक से अधिक मित्र बनाएं। अन्तिम दिन बच्चों ने एक दूसरे के लिए फ्रेंडशिप ब्रेसलेट तैयार किये।

नीचे कुछ अन्य तरीके दिए गए हैं जिनके माध्यम से बच्चे कलीसिया समुदाय के जीवन का हिस्सा बन सकते हैं:

- बड़े दिन का कार्यक्रम जब बच्चे गीत, लघु नाटिका, संगीत नृत्य, और बाइबल के स्थलों को प्रस्तुत करते हैं जबकि माता पिता दर्शकों के रूप में शामिल होते हैं।
- बाल दिवस या पिकनिक का आयोजन
- बाल आश्रम या वृद्धाश्रम का दौरा
- मदर्स डे या फादर्स डे के अवसर पर माता पिता को भेंट।

बाल सुरक्षा

एक क्षेत्र जहाँ हम पिछड़ रहे हैं वह है, शारीरिक शोषण या उपेक्षा के शिकार बच्चों की सुरक्षा। भारत के अनेक हिस्सों में आज भी इस विषय पर बातचीत नहीं की जाती और कलीसियाओं को इस पहलू पर कार्य करने की आवश्यकता है। हमारी कुछ मेनोनाइट कलीसियाएं ऐसी संस्थाओं के साथ साझेदारी कर रही हैं जिन्होंने बच्चों के पक्ष में उच्च स्तरीय सख्त मापदण्ड तैयार किए हैं। बच्चों के साथ कार्य करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया है कि वे बाल सुरक्षा संकल्प पर हस्ताक्षर करें और एक सख्त नीति का पालन करें। हमें यह निर्देश दिया गया है कि शोषण का शिकार बच्चों की सहायता की जाए और पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई जाए और आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

यह एक राष्ट्रीय मुद्दा है जिसे कलीसियाओं को गम्भीरता से लेने की आवश्यकता है।

भविष्य

अधिकांश कलीसियाएं यह मानती हैं कि कलीसिया में बच्चों का एक महत्वपूर्ण स्थान है। बच्चों को बढ़ने और आगे चलकर कलीसिया के विभिन्न क्षेत्रों और गतिविधियों में नेतृत्व की जिम्मेदारी सम्भालने के लिए स्वयं को तैयार करने का अवसर देना आवश्यक है। इस तरीके से, अगुवों की अगली पीढ़ी तैयार होगी।

यद्यपि काफी कुछ किया जा चुका है, परन्तु बच्चों तक उचित रीति से पहुँच पाने के लिए इससे भी अधिक कदम उठाए जाने की आवश्यकता है।

मेरी यह प्रार्थना है कि बच्चों के साथ और बच्चों के लिए की जाने वाली सेवकाई बढ़ती जाए और अधिक लोग अपनी अपनी कलीसियाओं में बच्चों के बीच सेवकाई करने की जिम्मेदारी को वहन करने के लिए आगे आएं।

श्रीमती जेस्सिका मोण्डल इम्मानुएल चैपल, कलकत्ता, भारत की एक कलीसियाई अगुवा हैं। यह मण्डली मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस की सदस्य कलीसिया भारतीय जुक्ता ख्रिस्टा प्रचार मण्डली की एक इकाई है।

जिम्बाब्वे

बच्चों को शान्ति की शिक्षा

सिबोनोकुहले न्क्युब

पीस, इन्टिग्रिटी एण्ड लाइफस्किल्स (पिल्लस्) ब्रदरन इन ख्राइस्ट चर्च के अन्तर्गत मूल्यों की शिक्षा देने वाले क्लब हैं जो 13 आरम्भिक माध्यमिक और उच्च शालाओं के विद्यार्थियों में जागरूकता विकसित करने में लगे हुए हैं। ये क्लब अपनी जड़े जमा चुके हैं और बुलवायो, मेटाबेलेलैण्ड दक्षिण और मेटाबेलेलैण्ड उत्तर समेत जिम्बाब्वे के तीन प्रान्तों में एक पाठ्क्रमेत्तर और अनौपचारिक गतिविधि के रूप में विकसित हो चुके हैं।

पीस, इन्टीग्रिटी एण्ड लाइफस्कील्स कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों, स्कूल प्रबन्धन, और विद्यार्थियों के एक आरम्भिक समूह को सम्बोधित करने के द्वारा स्कूल में एक शान्तिपूर्ण वातावरण तैयार करना है।

स्कूल में विद्यार्थी द्वारा बिताए गए समय का अवसर और मूल्यों की शिक्षा की प्रासंगिकता ने लगातार एक दूसरे का लाभ उठाया और नैतिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और आत्मिक–विकास शिक्षा के माध्यम से पाठ्यक्रम और पाठ्क्रमेत्तर जीवन दोनों को लाभ पहुँचाया।

ब्रदरन इन ख्राइस्ट चर्च के स्कूलों में, ब्रदरन इन ख्राइस्ट चर्च के 10 सार मूल्यों को प्रवेश–स्तर का मापदण्ड बनाया गया है।

शान्ति की शिक्षा देने का सबसे मुख्य परिणाम यह सामने आया कि खुल्लमखुला दादागिरी की घटनाओं में कमी आई। दूसरा परिणाम यह आया कि एक साथ मिलकर एक दूसरे का सहयोग करने की इच्छा बढ़ गई।

इस सहयोग का सबसे लोकप्रिय परिणाम एक *पीस क्लब गार्डन* (शान्ति क्लब का बाग) के रूप में सामने आया।

जिम्बाब्वे के राष्ट्रीय वृक्षारोपण दिवस पर पिल्लस् ने सृष्टि की देखभाल, बाल शिक्षा, और शान्ति कार्य साथ साथ किया।

इस वर्ष, अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति दिवस के कार्यक्रम को जिम्बाब्वे के वृक्षारोपण दिवस के साथ मनाया गया और एक उपविषय ''अपने वृक्ष को पोषण दो, अपनी शान्ति को पोषण दो'' पर जोर देते हुए एक शान्ति वृक्ष का रोपण किया गया।

इस प्रचार वाक्य को इसलिए चुना गया ताकि स्कूलों को उत्साहित किया जा सके कि वे प्रत्येक व्यक्ति को एक बोझ दें कि वह यह सुनिश्चित करे कि एक दूसरे के प्रति शान्ति की प्रतिबद्धता के रूप में सभी पेड़ बड़े होते जाएं।

जिम्बाब्वे का वन संभाग हर वर्ष के लिए राष्ट्रीय वृक्षों की घोषणा करता है। इस वर्ष आबनूसी बेर को राष्ट्रीय वृक्ष के रूप में चुना गया। यह वृक्ष मनुष्यों, जंगली जानवरों और पक्षियों के लिए भोजन का महत्वपूर्ण स्त्रोत है, साथ ही इसकी सुन्दर लकड़ियाँ घरेलु समान और औषधियाँ बनाने प्रयोग में लाई जाती हैं।

2019–2023 तक *कम्पैशनेट मिनिस्ट्री स्ट्रेटेजी* (करूणा की सेवकाई की रणनीति) से प्रेरित हो कर सृष्टि को उन्नत बनाने की प्रक्रिया में वृक्षारोपण बीआईसी कलीसिया का एक महत्वपूर्ण कार्य है।

बीआईसीसी इन जिम्बाब्वे में लगभग 50, 000 सदस्य हैं। यदि हर व्यक्ति प्रतिवर्ष एक पेड़ लगाता है, तो एक समय इनके द्वारा लगाए गए पेड़ों की संख्या काफी होगी, जबकि वनों की अन्धाधुंध कटाई को देखते हुए अन्य समुदायों को उस समय बहुत अधिक वृक्षारोपण करने की आवश्यकता होगी।

सिबोनोकुहले क्युब, राष्ट्रीय संयोजक, ब्रदरन इन ख्राइस्ट कम्पैशनेट एण्ड डेव्हलपमेंट सर्विसेज, जिम्बाब्वे।

''अपने वृक्ष को पोषण दो, अपनी शान्ति को पोषण दो''

Anabaptists around the world

संसार भर के ऐनाबैपटिस्ट

एमडब्ल्यूसी के पास प्रत्येक क्षेत्र की कलीसियाओं की सदस्य संख्या है।

Anabaptist Churches: Mennonite, Brethren i

ऐनाबैपटिस्ट कलीसियाएं: मेनोनाइट, ब्रदरन इन ख्राइस्

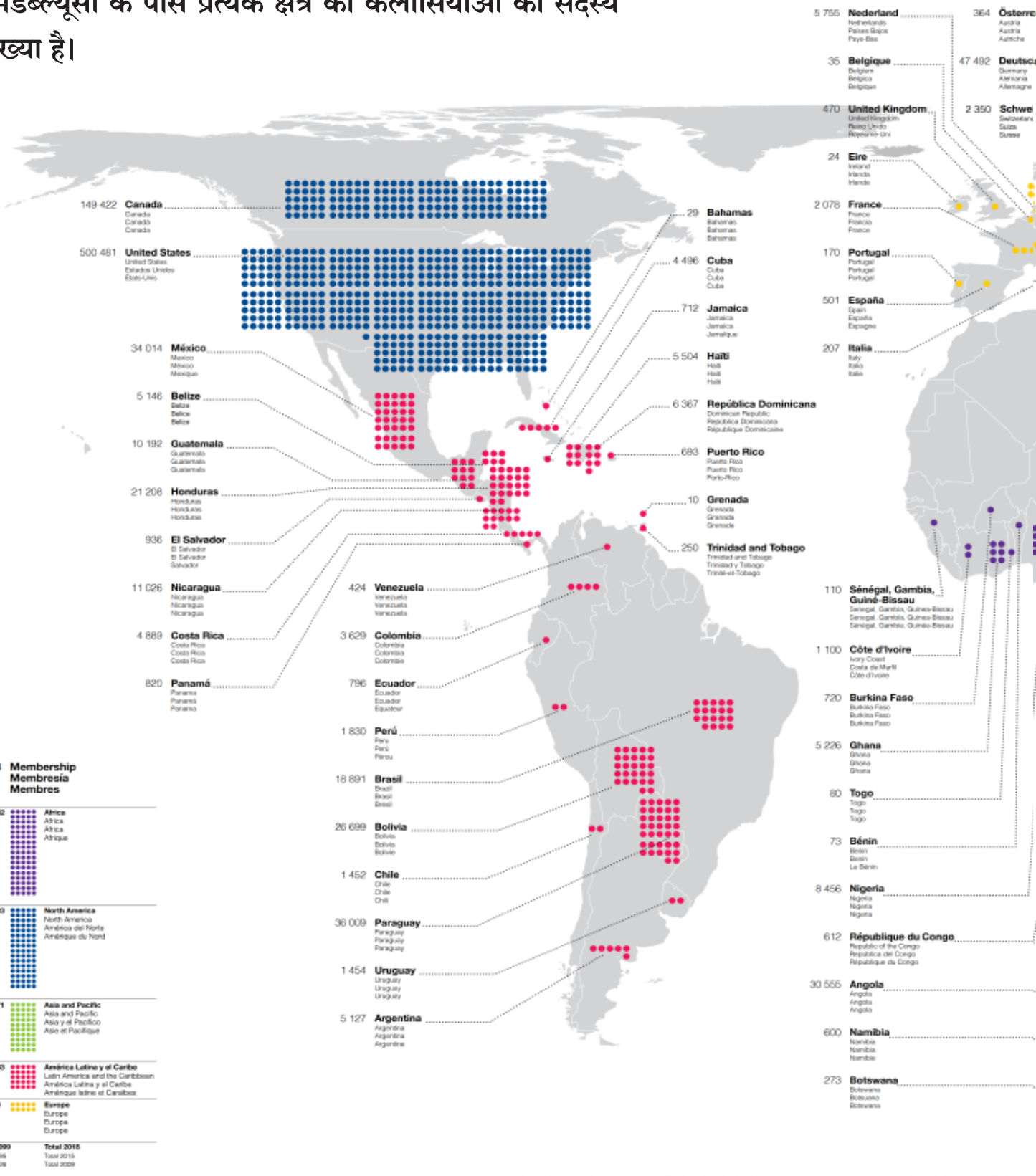

Membership statistics indicate baptized members. Statistics include estimates. Listing on this map does not denote membership or participation in Mennonite World Conference.
Las estadísticas de la membresía indican miembros bautizados, e incluyen cifras estimativas que no reflejan la pertenencia o participación en el Congreso Mundial Menonita.
Statistiques de membres baptisés, dont certaines sont approximatives et ne reflètent pas l'appartenance ou la participation à la Conférence Mennonite Mondiale.

Christ, Church of the Brethren and others

ट, चर्च ऑफ ब्रदरन और अन्य

2018

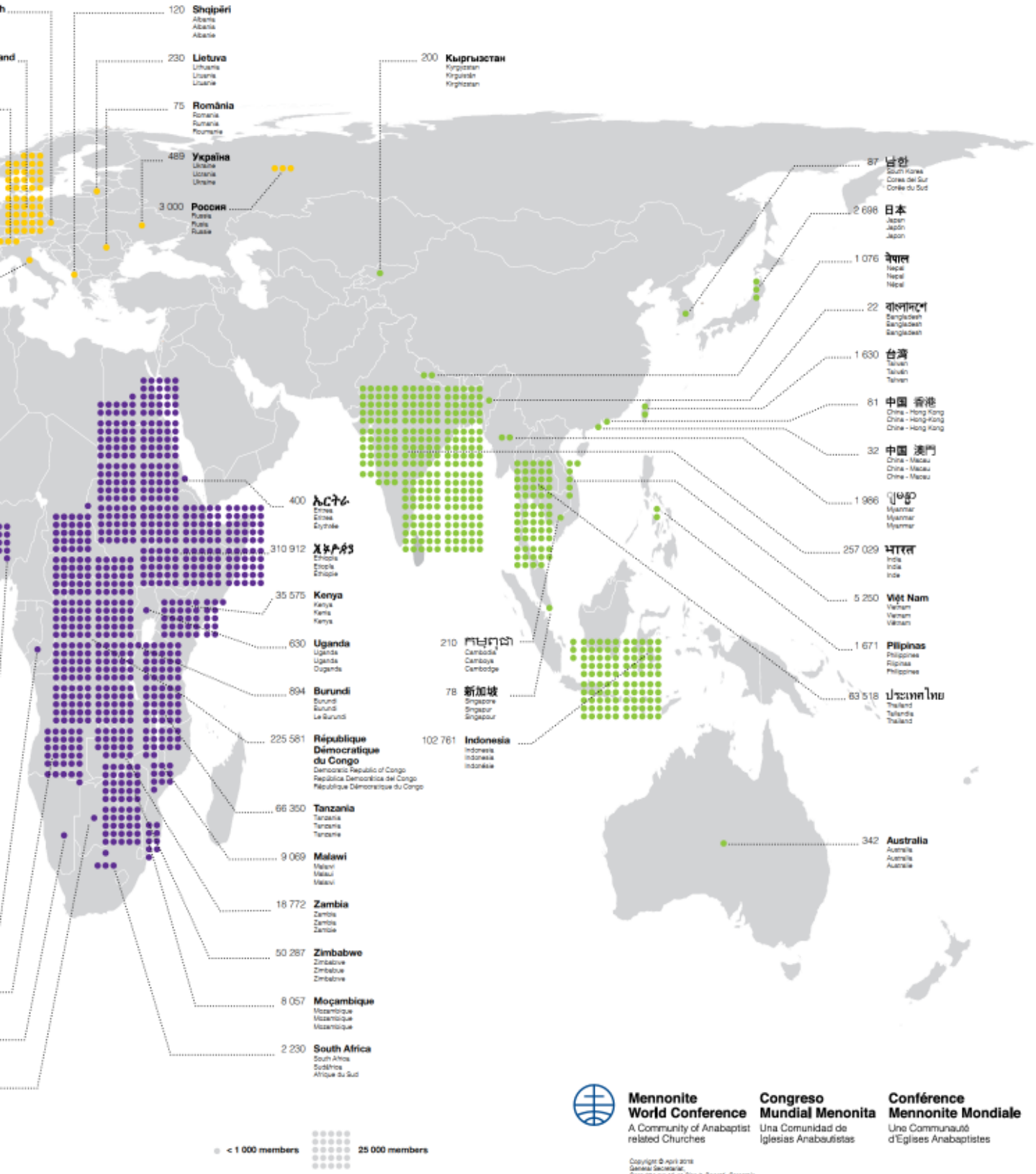

< 1 000 members   25 000 members

Mennonite World Conference
A Community of Anabaptist related Churches

Congreso Mundial Menonita
Una Comunidad de Iglesias Anabautistas

Conférence Mennonite Mondiale
Une Communauté d'Églises Anabaptistes

Copyright © April 2018
General Secretariat:
Calle 28A No. 16-41 Piso 2, Bogotá, Colombia
50 Kent Avenue, Suite 206, Kitchener, Ontario N2G 3R1 Canada
E: info@mwc-cmm.org www.mwc-cmm.org
Edited by Yosephine Sulistyorini

पेरू

बालक और बालिकाओं को यीशु के चेले बनाना

जुआन कार्लोस मोरेनो

हमारी कलीसिया का नाम इग्लेसिया क्रिस्टियाना मेनोनिटा एल पेरू (मेनोनाइट चर्च ऑफ पेरू) है। हम एमेजोन नदी के तट से लगे पेरू के जंगल के बीचोबीच स्थित इक्विटोस नामक एक मध्यम आकार के शहर में बसे विश्वास का एक समुदाय हैं। यहाँ उष्णकटिबन्धीय गर्मी और उमस के बीच में, हमने गरीब और उपेक्षित बच्चों के बीच में पिछले 10 वर्षों तक कार्य किया है।

इस सेवकाई को आरम्भ करने का बोझ मेनोनाइट चर्च ऑफ कोलम्बिया के डेविड और सीसे मोरेनो नामक मिश्नरियों के हृदय में आया। उन्होंने सड़कों पर रहने वाले बालक बालिकों के बीच में सेवकाई करना आरम्भ किया। शनिवार के दिन सभाओं का आयोजन किया जाता था जिसमें परमेश्वर के वचन का प्रचार किया जाता था और बच्चों को कुछ खाने को दिया जाता था। कुछ समय बाद बच्चों ने अपने मित्रों को साथ में लाना आरम्भ किया, और उसके बाद किशोर और युवा भी इन सभाओं में भाग लेने लगे।

बाइबल अध्ययन और शिष्यता की शिक्षा के माध्यम से, परमेश्वर के प्रेम ने उनके हृदय में ऐसा कार्य करना आरम्भ किया कि वे अपनी बुरी आदतों को छोड़ने लगे और अपने परिवारों के लिए एक गवाही बन गए। इसके परिणामस्वरूप कुछ वयस्क लोग भी परामर्श लेने को आने लगे, और इस तरीके से हमने छोटे छोटे घरों में परिवार–समूहों को आरम्भ किया। बच्चों के परिवार डेविड और सेसी को अपना पासवान मानने लगे।

कुछ समय बाद, हम एक स्थान पर इकट्ठा होने लगे, और हमारे विश्वास के समुदाय की स्थापना फरवरी 2012 को मेनोनाइट चर्च ऑफ कोलम्बिया के सहयोग और संगति के द्वारा हुई।

कलीसियाओं के रूप में, अक्सर हम बालक बालिकाओं के द्वारा हमारे समुदायों में सुसमाचार प्रचार करने में पूरी की गई महत्वपूर्ण भूमिका को भूल जाते हैं। हम ऐसा सोचते हैं कि हम सिर्फ रविवारों को इकट्ठा होना है और इन्हें किसी गतिविधि में शामिल करना है।

किन्तु, उन सारी कठिन परिस्थितियों के बाद भी जिनका सामना बच्चों को करना पड़ रहा है, उन में मसीह के सन्देश को बिना किसी पूर्वाग्रह के शुद्ध मन से समझने की क्षमता होती है। वे अपने घरों में हो रही हिंसा के मध्य क्षमा और मेलमिलाप के माध्यम हैं। यह एक परिवर्तनकारी कार्य है जो परमेश्वर के प्रेम को प्रगट करता है। ''कोमल उत्तर सुनने से गुस्सा ठण्डा हो जाता है, परन्तु कटुवचन से क्रोध भड़क उठता है'' (नीतिवचन 15:1)।

इक्विटोस मेनोनाइट चर्च में हमारी सेवकाई बालक और बालिकाओं पर दृढ़ता से केन्द्रित है। हमारे विश्वास के समुदाय ने इस बात को समझ लिया है कि यह सिर्फ पासवान की जिम्मेदारी नहीं है, परन्तु इस जिम्मेदारी को हम सब को साथ मिल कर पूरा करना है।

हमारे प्रभु यीशु मसीह ने हमें चेले बनाने के लिए बुलाया है, और ऐसे लोगों के बीच यह काम करने से बेहतर और क्या हो सकता है जिनके आगे उनका सारा जीवन बचा है? हमारी कलीसिया के कुछ सदस्य शिक्षक शिक्षिकाओं के रूप में सक्रिय हो कर बच्चों को बाइबल की शिक्षा देने की जिम्मेदारी सम्भालते हैं। जबकि अन्य लोग भोजन उपलब्ध कराने के द्वारा सहायता करते हैं ताकि प्रत्येक सप्ताह 350 बच्चों को दोपहर का भोजन प्राप्त हो सके।

जैसे जैसे युवा उम्र में बढ़ते जाते हैं, हम उन्हें सिखाना आरम्भ करते हैं और अगुवा दल में शामिल कर लेते हैं। वे आराधना, गीतों, और नृत्यों में अगुवाई करते हैं। कुछ संगीत की कक्षाओं में भाग लेते हैं, अन्य भोजन बाँटने में सहायता करते हैं, और कुछ अन्य ने अपने से छोटे बच्चों को सिखाना आरम्भ किया है। उनकी स्वयं की गवाहियाँ उनसे छोटे बालक बालिकाओं के लिए अत्यंत सहायक है जो उनसे अपनी बातें सहजता से कह सकते हैं और उनसे उत्साहवर्धन प्राप्त कर सकते हैं।

अपने अनुभव से, हम यह समझ गए हैं कि किशोर वर्ग कलीसिया की सेवकाई के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे एक कठिन आयु से गुजर रहे हैं क्योंकि अब न तो वे अपने आप को बच्चे समझ सकते हैं और न ही युवा। इस कारण से अक्सर वे परमेश्वर से दूर होने लगते हैं।

यह महत्वपूर्ण है कि कलीसिया ऐसे अवसर उत्पन्न करे कि किशोर वर्ग भी सेवा में अपना योगदान दे सकें। उनसे गलतियाँ होंगी। कभी कभी वे बच्चों के समान व्यवहार करेंगे, और लगातार आलस से संघर्ष करेंगे। तौभी, हमें उनका साथ देना है, और विश्वास रखना है कि परमेश्वर के पास इस समय उनके लिए एक उद्देश्य है, यद्यपि वे अनुभवहीन हैं। इससे उनके विश्वास में उन्नति होगी और वे ''उस वृश्र के समान'' बढ़ने पाएंगे ''जो बहती नालियों के किनारे लगाया गया है और अपनी ऋतु में ही फलता है, और जिसके पत्ते कभी मुरझाते नहीं।'' इस कारण जो कुछ वे करेंगे उसमें सुफल होंगे (भजन 1:3)।

बालक और बालिकाएं हमारी कलीसियाओं के भविष्य हैं, परन्तु वे कलीसिया के वर्तमान भी हैं।

ठीक वयस्कों के समान, उन्हें समय दिए जाने की आवश्यकता है जब हम उनकी बातों को सुन सकें, उन्हें प्रोत्साहित कर सकें, उनके साथ मिलकर आराधना कर सकें, उन्हें प्रार्थना करना सीखा सकें और उन्हें वह स्थान दे सकें जो उन्हें परमेश्वर के राज्य के नागरिक के रूप में मिलना चाहिए।

''बच्चे गीले सीमेंट के समान होते हैं, उस पर जो भी चीज़ गिरती है वह अपनी छाप छोड़ जाती है'' – हेम गिन्नोट (नैदानिक मनोवैज्ञानिक और माता पिता के लिए परामर्शदाता)।

जुआन कार्लोस मोरेनो, इग्लेसिया क्रिस्टियाना मेनोनिटा एल पेरू में युवा पासवान।

बच्चों के लिए प्रार्थना

बीआईसीसी जिम्बाब्वे की जनरल कॉंफ्रेंस सभाओं के दौरान सचमुच में बच्चों का बहुत अच्छे से ध्यान रखा जा रहा है। यद्यपि सेवकाई के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं, परन्तु इन कार्यक्रमों के दौरान बच्चों के कार्यक्रम और उनकी प्रस्तुतियाँ हमेशा स्मरण रखी जाएंगी।

माता पिता के लिए दो शब्द: जिस तरह से स्कूली शिक्षा महत्वपूर्ण है, उसी तरह हमारे बच्चों के लिए मसीही शिक्षा भी महत्वपूर्ण है। एक विश्व स्तरीय संगीतकार ने एक बार कहा था कि उस ठोस नींव से अधिक, एक बच्चे को जीवन की किसी अन्य की आवश्यकता नहीं है, जो उसे कलीसिया में तैयार कर दी जा सकती है।

बच्चों के लिए दो शब्द: यीशु मसीह जीवन भर हमारा मित्र बना रहता है। यीशु के मित्र बनें और आप के जीवन में बहुत से अच्छे और अनमोल मित्र जुड़ जाएंगे। यीशु आपसे प्रेम रखता है।

एक छोटी प्रार्थना

प्यारे प्रभु

मैं इन तीन बातों के लिए तुझ से प्रार्थना करता/करती हूँ:

कि मैं और अधिक सच्चाई से तेरी खोज कर सकूं

कि अधिक स्नेह से तुझ से प्रेम कर सकूं

कि अधिक निकटता से तेरे पीछे चल सकूं

और हर दिन ऐसा कर सकूं।

आमीन!

(''डे बाय डे'' से, चिचेस्टर के रिचर्ड द्वारा)

मक्हेले जुबाने (''जुब्स'' टू द चिन्ड्रेन) मत्शाबेजी मिशन में 1999 से बच्चों के बीच में सेवकाई कर रहीं हैं, स्थानीय मिशन कलीसिया में और मिशन के सात प्रचार केन्द्रों में बच्चों के कार्यक्रम संचालित कर रही हैं।

परमेश्वर को धन्यवाद देने के लिए एक प्रार्थना:

पिता परमेश्वर, प्रभु यीशु मसीह के नाम से, इस दिन के लिए तुझे धन्यवाद। हमारे चारों ओर दिखाई देने वाली सारी वस्तुओं, पशुओं, और पक्षियों, जल के सोतों और सूर्य के लिए धन्यवाद। ये सारी वस्तुएं हमें यह बताती हैं कि तू कौन है।

हे प्रभु, तुझे धन्यवाद।

धन्यवाद, यीशु हमारे उद्धारकर्ता, कि तूने हमारे लिए अपनी जान दी ताकि हम स्वर्ग को जा सके। यीशु, मेरे उद्धारकर्ता, मैं तुझ पर विश्वास करता हूँ/करती हूँ।

धन्यवाद, यीशु के नाम से।

आमीन।

सिमानगलिसो न्क्युबे के द्वारा प्रस्तुत। वे पिछले 9 वर्ष से ब्रदरन इन ख्राइस्ट चर्च लोबेनगुला जिम्बाब्वे में बच्चों के बीच पासवानी सेवकाई कर रहे हैं।

मक्हुले तुबाने ''जुब्स'' कलीसिया आराधना के बाद बच्चों के साथ, बीआईसीसी क्वींसपार्क, बुलवायो, जिम्बाब्वे

ख्राइस्ट चर्च लोबेगुला, बुलवायो, जिम्बाब्वे के इस दल को 2018 में एक बाइबल प्रश्नोत्तरी में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ, पुरूस्कार ग्रहण करते।

इम्मानुएल मेनोनाइट ब्रदरन चर्च, जगाबोइन पालि, तेलंगाना, भारत के रायसे फ्लोरा, नाइसी सेरेना, एलिना, शालेम राज और विक्टर ने बाइबल की अपनी पसन्दीदा कहानी को चित्रों में उतारा।

शान्ति की एक कुलीन गवाही

फिलीपींस में मेनोनाइट कलीसिया

लकाओ मेनोनाइट बाइबल चर्च में विश्व सहभागिता दिवस 2019 मनाया गया।
फोटो: रेजिना मोंडेज़ सुमात्रा

रेजिना लिन मोंडेज़-सुमात्रा

2016 से, फिलीपींस का नेतृत्व एक ऐसे राष्ट्रपति कर रहे हैं जो नशीली दवाओं के विरोध में अभियान चलाने के कारण विवादों से घिरे रहते हैं। कानून से बाहर जाकर मार डालने की घटनाओं में लगातार वृद्धि होती जा रही है और पुलिस वालों से कहा गया है कि वे नशीली दवाओं के धंधे से जुड़े या पुलिस का विरोध करने वाले किसी भी व्यक्ति को जान से मार सकते हैं। इस करिश्माई राष्ट्रपति के समर्थकों की संख्या बहुत अधिक है, तौभी उनके चरित्र तथा नशीली दवाओं के धंधे की समस्या को लेकर उसके हिंसक तौर तरीकों और देश में व्याप्त गरीबी के कारण वे विवादास्पद भी हैं।

लगुआना प्रान्त के लुम्बन शहर में, रेव्ह. एलाडियो मोंडेज़ एक मण्डली लकाओ मेनोनाइट बाइबल चर्च में पासबानी कर रहे हैं। रविवार की सुबह, लगभग 50 सदस्य परमेश्वर के वचन को सुनने के लिए इकठ्ठा होते हैं। दोपहर के समय, आसपास के लगभग 40–50 बच्चे आते हैं और बाइबल की कहानियाँ सुनते हैं, गीत गाते हैं। साथ ही, प्रत्येक बच्चे को मण्डली द्वारा तैयार किया गया स्वास्थवर्धक भोजन खिलाया जाता है।

सप्ताह के दौरान, रेव्ह. एलाडियो मोंडेज़ लुम्बन इव्हेंजलिकल अलायंस ऑफ पास्टर्स (लीप) के अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं देते हैं। लीप शहर का एक सेवकाई संगठन है, जिसका गठन 12 इव्हेंजलिकल कलीसियाओं को साथ ले कर किया गया है ताकि वे अपने नगर पालिका क्षेत्र की उन्नति में अपना योगदान दे सकें। सभी पासवान मिलकर नशीली दवाओं का सेवन करने वाले और नशीली दवाओं का धंधा करने वाले ऐसे व्यक्तियों की पुनर्वास कक्षाएं ले कर स्थानीय प्रशासन की सहायता कर रहे हैं जिन्होंने पुलिस के सामने समर्पण कर दिया है ताकि अपने जीवनों को बदलना आरम्भ कर सकें।

प्रत्येक वर्ष जनवरी में, लकाओ मेनोनाइट बाइबल चर्च द्वारा राष्ट्रीय बाइबल माह और मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस द्वारा आयोजित विश्व सहभागिता दिवस को मनाया जाता है।

एक उन्नति करती हुई देह

फिलिप्पींस में मेनोनाइट लोग सबसे पहली बार 1970 के दशक में आए जब मेनोनाइट सेन्ट्रल कमेटी ने यहाँ राहत कार्य आरम्भ किया। बाद में इर्स्टन मेनोनाइट मिशन्स (पहले इस्टर्न मेनोनाइट बोर्ड ऑफ मिशन्स एण्ड चेरेटिज़, इएमबीएमसी कहलाती थी) फिलिप्पींस में आया और मेनोनाइट कलीसियाओं की स्थापना की।

अधिकांश स्थानीय मेनोनाइट कलीसियाओं के अगुवे अलग अलग गैर मेनोनाइट कलीसियाओं के पासवान थे जिन्होंने मेनोनाइट विश्वास और संस्कार को अपना लिया, और इसलिए 1991 में इन्टीग्रटेड मेनोनाइट चर्चेस (आईएमसी) की औपचारिक स्थापना हुई।

आईएमसी लगातार बढ़ती जा रही है और वर्तमान में इसकी बपतिस्मा प्राप्त सदस्य संख्या 1500 पहुँच रही है। आईएमसी से जुड़ी स्थानीय कलीसियाओं में ऐसी मण्डलियाँ हैं, जो शहर से बाहर पहाड़ों पर स्थापित हैं और जहाँ पहुँचना कठिन है, यहाँ के अधिकांश सदस्य किसान है जो अपनी जीविका के लिए कृषि पर निर्भर रहते हैं। कुछ कलीसियाएं शहर में भी स्थापित हैं, जहाँ अगली पीढ़ी शिक्षक-शिक्षिकाओं, नर्सों, और विकास कर्मियों जैसे पदों में रह कर सेवाएं दे रही है।

फिलीपींस में मसीही विश्वास सभी स्थानों पर फैला हुआ है और रोमन कैथोलिक कलीसियाओं की संख्या

आईएमसी युवा सम्मेलन न सिर्फ एक ऐसा अवसर होता है जब युवा प्रभु यीशु मसीह के साथ अपने रिश्ते में गहराई लाते हैं, बल्कि एक दूसरे के साथ मित्रता और लगाव भी विकसित करते हैं।
फोटो: एबेनेज़र मोंडेज़

ग्रामीण क्षेत्रों में निवास कर रहे आईएमसी सदस्यों के घर का एक नमूना
फोटो: एबेनेज़र मोंडेज़

फिलीपींस

एमडब्ल्यूसी सदस्य:

इन्टीग्रेटेड मेनोनाइट चर्चेस

बपतिस्मा प्राप्त सदस्य	1000
मण्डलियाँ	23
अध्यक्ष	अम्ब्रोसियो पोरसिनकुला

गैर-सदस्य कलीसियाएं (एमडब्ल्यूसी की सदस्य नहीं हैं)

चर्च ऑफ गॉड इन ख़ाइस्ट, मेनोनाइट

बपतिस्मा प्राप्त सदस्य	169
मण्डलियाँ	19

मेनोनाइट ब्रदरन कॉंफ्रेंस ऑफ द फिलीपींस

बपतिस्मा प्राप्त सदस्य	400
मण्डलियाँ	7

नेशनवाइड फैलोशिप ऑफ चर्चेज़

बपतिस्मा प्राप्त सदस्य	102
मण्डलियाँ	6

स्त्रोत: ग्लोबल स्टेटिस्टिक्स – 2018 डायरेक्टरी

अधिक है। किन्तु, पिछले दशक में, इव्हेंजलिकल कलीसियाओं की संख्या में वृद्धि हुई है। इसका कारण विदेशी मिशनों का प्रवेश, और कलीसियाओं में विभाजन दोनों हो सकता है। एक दशक पहले आईएमसी में भी विभाजन हुआ था।

स्थानीय समुदायों में, आईएमसी कलीसियाएं आसपड़ोस के लोगों की तात्कालिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए सक्रिय है। कुछ कलीसियाओं द्वारा गरीब बच्चों को भोजन खिलाया जाता है। साथ ही, स्कूल सत्र के आरम्भ में ऐसे बच्चों को उत्साहित करने के लिए स्कूली सामग्रियाँ भी उपलब्ध कराई जाती है जिनके माता पिता बच्चों के लिए स्कूल की सामग्रियाँ नहीं खरीद सकते। कुछ क्षेत्रों में, वे बाइबल अध्ययन और सण्डे स्कूल का भी संचालन करते हैं, यह बच्चों के लिए ऐसा स्थान बन चुके हैं जहाँ वे आनन्द कर सकते हैं, यीशु की कहानियों को सुन सकते हैं और अन्य विश्वासियों के साथ समय बिता सकते हैं जो उनसे प्रेम रखते हैं और उनकी चिन्ता करते हैं।

संगति करने वाला परिवार

आईएमसी एक वार्षिक जनरल कॉंफ्रेंस का भी आयोजन करता है जहाँ सभी अगुवे और सदस्य संगति करने और शान्ति की शिक्षा, ऐनाबैपटिस्टवाद, और स्थानीय व राष्ट्रीय स्तर पर आने वाली चुनौतियों का सामने करने जैसे विषयों के बारे में और अधिक सीखने के लिए साथ आ सकते हैं। किन्तु, भोगौलिक और आर्थिक चुनौतियों के कारण इस वार्षिक सम्मेलन में सिर्फ 20 प्रतिशत सदस्य ही शामिल हो पाते हैं। सिर्फ वे ही लोग जो आयोजन स्थल के पास निवास करते हैं इस सम्मेलन में भाग ले पाते हैं क्योंकि अन्य लोग यात्रा का खर्च वहन नहीं कर पाते; दूर से आने वाले सदस्यों को 5 से 16 घण्टों की यात्रा करना पड़ता है।

आईएमसी के युवा भी प्रति वर्ष युवक युवती सम्मेलन के लिए एकत्रित होते हैं, जहाँ युवा अगुवे एक दूसरे को उत्साहित करते और बल प्रदान करते हैं। यह एक ऐसा अवसर भी होता है जब युवाओं को आमंत्रित किया जाता है कि वे यीशु को जाने और उसके साथ अपना रिश्ता जोड़े। युवा सम्मेलन सामान्यत: युवाओं में फिर से जोश भर देता है कि वे अपनी अपनी स्थानीय कलीसियाओं में सेवा करते रहें और संगति और गवाही देने में सक्रिय रहें।

आईएमसी मण्डलियाँ अपने क्षेत्रों की अन्य कलीसियाओं को भी अपने साथ शामिल करती है। वे अपने नगर पालिका क्षेत्र या प्रान्त में सेवकाई संगठनों के सदस्य बन जाते हैं। ये संगठन प्रभु यीशु मसीह के विश्वासियों के मध्य सहभागिता को बढ़ावा देते हैं। यद्यपि आपस में कुछ मतभेद होते हैं, परन्तु वे मसीह के

युवा सम्मेलन में गतिविधियों में रचनात्मकता को बढ़ावा दिया जाता है जो संगति और सम्बन्धों में गहराई लाता है।
फोटोः एबेनेज़र मोंडेज़

अधिकांश सम्मेलनों में, आईएमसी कलीसियाओ के सदस्य प्रस्तुतियाँ देते समय अपने गोत्र या मूल के पारम्परिक वेशभूषाओं का प्रदर्शन करते हैं।
फोटोः एबेनेज़र मोंडेज़

विश्वासियों की एकता पर जोर देते हैं। मेनोनाइट कलीसियाएं शान्ति के धर्मविज्ञान को सामने रखती हैं जिससे उन्हें प्रेरणा मिलती है कि स्थानीय चुनावों के दौरान उम्मीदवारों के मध्य शान्ति की संधि स्थापित की जा सके।

फिलीपींस में अन्य ऐनाबैपटिस्ट समूह

आईएमसी के अतिरिक्त, फिलीपींस में कुछ और भी ऐनाबैपटिस्ट सम्प्रदाय पाए जाते हैं, जैसे नेशनवाइड फैलोशिप ऑफ चर्चेस जैसे संरक्षणवादी समूह, जिनके साथ आईएमसी का कोई सम्पर्क नहीं है। उत्तर में भी मेनोनाइट ब्रदरन मिशन है, परन्तु अब भी आईएमसी से कोई सम्पर्क नहीं स्थापित हो पाया है। यहाँ एक चर्च नेटवर्क (पीस चर्च नेटवर्क) भी है, जिसका आरम्भ एमसी कनाडा के द्वारा किया गया था, और जिसकी स्थापना देश की राजधानी मेट्रो मनीला में की गई थी। पीस चर्च और आईएमसी ने साथ मिलकर सहभागिता करने और सीखने के उद्देश्य से अनेक अवसरों पर मुलाकात किया है।

अन्य देशों के समान ही, फिलीपींस के मेनोनाइट्स भी शिष्यता और सुसमाचार प्रचार के क्षेत्र में चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। देश में सुसमाचारवाद अधिकांश हिस्सों में पाया जाता है और लगभग हर व्यक्ति ने सुसमाचार को सुना है, परन्तु वह इसे अनसुना कर इससे दूर हो जाता है। हमारे सामने चुनौती यह है कि यहाँ किस प्रकार से शान्ति, अहिंसा, और बुरे का सामना न करने की शिक्षाओं को सामने लाने के द्वारा ऐनाबैपटिस्टवाद के अनोखेपन की गवाही प्रस्तुत की जाए।

शान्ति और अहिंसा के हमारे सिद्धान्तों को वास्तविक रूप प्रदान करने का यहाँ अवसर है। साम्यवाद विद्रोह को बढ़ावा देने वाले सशस्त्रबल सुदूर पहाड़ी क्षेत्रों में निवास कर रहे हैं। आईएमसी की कुछ कलीसियाएं ऐसे क्षेत्रों में स्थापित है जहाँ विद्रोही समूह निवास करते हैं, ये कलीसियाएं विद्रोहियों के साथ अच्छा व्यवहार करने और उनके सामने स्वल्पाहार की पेशकश रखने के द्वारा गवाह बन रहीं हैं।

देश की शान्ति प्रक्रिया में भी ऐनाबैपस्टिवाद का दखल है, जहाँ शान्ति के लिए कार्य करने वाले अगुवे मुसलमान अलगाववादियों के साथ साथ साम्यवादी विद्रोहियों तक पहुँचने के लिए ऐनाबैपटिस्ट शान्ति की शिक्षा को अपना आधार बनाते हैं।

फिलीपींस में मेनोनाइट उपस्थिति के 50 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं, हमारी कलीसियाएं – जो अलग अलग कॉंफ्रेंसों के रूप में विद्यमान है – शान्ति के मार्ग में प्रभु यीशु का अनुसरण करते हुए आगे बढ़ती जा रही है, हमारे पड़ोसियों के समक्ष उस प्रेम और न्याय की गवाही रख रहीं हैं जिसे प्रभु यीशु मसीह ने इस पृथ्वी पर रहते हुए लोगों के साथ अपने व्यवहार में प्रगट किया था।

रेजिना लिन मोन्डेज़–सुमात्रा 2011 से आईएमसी की राष्ट्रीय संयोजिका है। उनका पालन पोषण लुम्बन मेनोनाइट बाइबल चर्च में हुआ और वर्तमान में वे मेट्रो मनीला में स्थित शान्ति के लिए कार्य करने वाली एक गैर सरकारी संस्था में पूर्णकालिक शोध अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रही है, और फिलीपींस की सरकार और साम्यवादी पार्टी के बीच शान्ति प्रक्रिया की वकालत कर रहीं हैं।

Indonesia
2021
06 -11
07 2021

bersama-sama mengikuti Yesus melintas batas
sesarengan ngetut wuri Gusti Yesus nratas wewates
following Jesus together across barriers
seguir a Jesús juntos, superando las barreras
suivre Jésus ensemble à travers les frontières
यीशु के पीछे एक दूसरे के साथ मिलकर रूकावटों के पार चलते चलें

एमडब्लुसी विश्व सम्मेलन: इकट्ठा होने तक ही सीमित नहीं : चख कर देखो, प्रभु भला है।

फोटो: लिसा अंगर

एमडब्ल्यूसी विश्व सम्मेलन ऐनाबैपटिस्ट–मेनोनाइट परिवार का वैश्विक पारिवारिक मिलन समारोह है जो प्रत्येक छह वर्ष में आयोजित किया जाता है। इसका आरम्भ 1925 में हुआ, जब सात देशों के मेनोनाइट पास्टरों का एक छोटा सा समूह बासेल, स्विट्जरलैण्ड में इकट्ठा हुआ, यह कार्यक्रम कई दिनों तक चला और उन्होंने आराधना और चर्चा में अपना समय बिताया। प्रभु की स्तुति हो कि लगभग एक शताब्दी बाद तक भी हम इस सम्मेलन के लिए इकट्ठे होते आ रहे हैं; यह संगति, आराधना, सेवा, और गवाही के लिए बिताया जाने वाला एक अवसर होता है।

आगामी सम्मेलन सेमारैंग, मध्य जावा, इण्डोनेशिया में आयोजित किया जा रहा है। यह दूसरा अवसर होगा जब एशिया में यह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है (जनवरी 1997 में कलकत्ता, भारत के बाद), जबकि दक्षिणपूर्व एशिया में यह पहली बार आयोजित किया जा रहा है।

इण्डोनेशिया की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि काफी समृद्ध है। अपनी अपनी विशिष्ठ ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के कारण इस उष्णकटिबन्धीय देश *(ट्रॉपिकल कंट्री)* का प्रत्येक शहर दर्शनीय है।

इण्डोनेशिया के सेमारैंग शहर में आपका स्वागत है, जहाँ विश्व सम्मेलन में भाग लेने वाले सभी भाई बहन इस बात को चख कर देख सकेंगे कि प्रभु कितना भला है। इन तारीखों को खाली रखें, प्रार्थना करें, और सम्मेलन में आएं, और प्रभु की भलाई का अनुभव करें।

Indonesia
2021

इण्डोनेशिया की मेनोनाइट कलीसियाएं

इण्डोनेशिया में तीन मेनोनाइट कॉंफ्रेंस हैं जिन्हें सिनड कहा जाता है।

गेरेजा इन्जिली डी तनाह जावा (जीआईटीजे) – इव्हेंजलिकल चर्च ऑफ जावा इण्डोनेशिया के तीन मेनोनाइट सिनड्स में से एक है। इण्डोनेशिया के जावा द्वीप के उत्तर मध्य भाग के इस कॉंफ्रेंस में जवाई मूल के सबसे अधिक सदस्य हैं, इस कलीसिया की स्थापना, मुरिया क्षेत्र के आसपास डच मेनोनाइट मिशन कार्य के आरम्भ के 81 वर्ष बाद 30 मई 1940 को हुई थी। वर्तमान में जीआईटीजे में 116 स्थानीय मण्डलियाँ हैं जिनमें 65000 से भी अधिक सदस्य हैं। सबसे अधिक मण्डलियाँ मध्य जावा के उत्तरी तट से लगे क्षेत्र में पाई जाती है, परन्तु सेमारैंग, सलाटिगा और योग्यकार्ता जैसे शहरों तथा जुंगपुंग और दक्षिण सुमात्रा के प्रान्तों में भी मण्डलियाँ पाई जाती हैं।

गेरेजा क्रिस्टेन मुरिया इण्डोनेशिया (जीकेएमआई) – मुरिया क्रिश्चन चर्च इन इण्डोनेशिया एक स्थानीय मसीही आंदोलन था जिसका आरम्भ उत्तर मध्य जावा के कुदुस शहर में एक चीनी–इण्डोनेशियाई दम्पत्ति के द्वारा किया गया था। इस पति पत्नी का नाम टी सियम टेट और सिय डजोइन नियो था। यह समूह मेनोनाइट कलीसिया परिवार के साथ तब जुड़ा जब यहाँ के प्रथम विश्वासियों ने मुरिया क्षेत्र में सेवारत डच मेनोनाइट मिशन के आधीन कार्य कर रहे रशियन मेनोनाइट मिश्नरियों के द्वारा दिसम्बर 1920 में बपतिस्मा लेना चाहा। 1960 से, यह कॉंफ्रेंस फैल कर मुरिया क्षेत्र से बाहर निकल गई और दक्षिणी इण्डोनेशिया के चार प्रमुख द्वीपों की जनजातियों तक पहुँच गई। वर्तमान में जीकेएमआई की 61 मण्डलियाँ हैं जिनमें 16000 से भी अधिक सदस्य हैं। यह मण्डलियाँ जावा, बाली, सुमात्रा, बाताम, कलिमंतान, सुलावेसि, और नुसा तेंग्गारा तिमुर में स्थापित हैं।

जेम्मात क्रिस्टेन इण्डोनेशिया (जीकेआई) – इण्डोनेशिया क्रिश्चन कॉंग्रिगेशन्स की स्थापना 1977 में हुई जिसका उद्देश्य सेमारैंग में 1977 से संगक्काला फाउंडेशन के द्वारा संचालित मसीही सेवाओं को एक कलीसियाई ढाँचा प्रदान करना था। सुसमाचार प्रचार, उपदेशों की रिकार्डिंग का वितरण, संगीत दल, बैण्ड्स, और सामाजिक सेवा के रूप में इस सेवकाई का विस्तार हुआ, अनेक अवसरों पर बाइबल पाठ्यक्रमों का भी संचालन किया गया। वर्तमान में जेकेआई सिनड के आधीन 223 स्थानीय मण्डलियाँ हैं और सदस्यों की संख्या 40000 से भी अधिक है जो कि इण्डोनेशिया के 19 प्रांतों में फैले हुए हैं, इस कलीसिया की कुछ मण्डलियाँ अमरीका (यूएसए), आस्ट्रेलिया, और नीदरलैण्ड में भी पाई जाती हैं।

इण्डो–मेनो दल फरवरी 2016 में एमडब्ल्यसी अतिथियों के साथ।
फोटो: लिसा अंगर

नेशनल एडवाजरी कॉउन्सिल (एनएसी). इस कॉउन्सिल का गठन 2021 में इण्डोनेशिया में आयोजित एमडब्ल्यूसी विश्व सम्मेलन के लिए किया गया है। इस में इण्डोनेशिया के तीनों कॉंफ्रेंसों के अगुवों को शामिल किया गया है। एनएसी ने योजनाएं बनाने के लिए अपनी बैठकों का आरम्भ 2016 में ही कर दिया था और प्रतिवर्ष अनेक बार बैठकों के लिए इकट्ठा होते हैं जिससे कि वे विश्व सम्मेलन में संसार भर से आने वाले पाहुन भाई बहनों के लिए प्रबन्ध कर सकें।

Mennonite World Conference
A Community of Anabaptist related Churches
Congreso Mundial Menonita
Una Comunidad de Iglesias Anabautistas
Conférence Mennonite Mondiale
Une Communauté d'Eglises Anabaptistes

इण्डोनेशिया में सम्मेलन दल का कार्य आरम्भ

लिंसा अंगर अपनी पुश स्कूटर के साथ,
फोटो: डेल डी गेहमान

अन्तर्राष्ट्रीय आयोजन संयोजिका
आप में से जिन्होंने 2015 में पेन्नसिलवेनिया में हुए पिछले विश्व सम्मेलन में भाग लिया था, वे लिसा अंगर को स्मरण करते होंगे जो बड़ी फुर्ती से अपनी पुश स्कूटर से फार्म शो काम्पलेक्स में मुआयना करते हुए घुमा करती थीं और मंच से सूचनाएं भी दिया करती थीं। लिसा अंगर को 2021 में इण्डोनेशिया में आयोजित अगले विश्व सम्मेलन में भी आयोजन संयोजिका की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

फोटो: सारा येट्टी

राष्ट्रीय संयोजिका
सारा येट्टी को दुनिया भर में भ्रमण करना और कॉफी पीना बहुत पसन्द है। सारा जेकेआई इन्जिल केराजान सेमारंग (''होली स्टेडियम,'' 2021 के लिए एमडब्लयूसी मेजबान/आयोजन स्थल) और सेमारंग में आयोजित होने वाले अन्य मसीही आयोजनों की कार्यक्रम प्रबन्धकर्ता (इवेंट आर्जनाइज़र) के रूप में सेवाएं देती हैं। साथ ही वे ओलिया टूर का भी संचालन करती हैं, यह एक ट्रेवल एजेन्सी है जो विशेष रूप से इस्राएल भ्रमण का प्रबन्ध करती है। उनके विवाह को 13 वर्ष हो चुके हैं और उनके पति का नाम सिमोन सितियावान है।

अगुस सितियांतो

राष्ट्रीय संयोजक
अगुस सितियांतो एक गायक और टेबल टेनिस प्रेमी हैं। वे एक व्यापारी हैं और उन्हें *विवाह व परिवार* से सम्बन्धित सेवकाई के लिए बड़ा बोझ है। वे इण्डोनेशिया के सेमारंग में जीकेएमआई मेनोनाइट चर्च के प्राचीन व सदस्य हैं, और उन्होंने एमडब्ल्यूसी में जनरल काँऊसिल प्रतिनिधि के रूप में 2009 से 2015 तक और कार्यकारिणी समिति में एशिया प्रतिनिधि के रूप में 2015 से 2018 तक अपनी सेवाएं दी हैं। अगुस और उनकी पत्नी जोविता के तीन व्यस्क बच्चे हैं।

फोटो: डेनियल के त्रिहानहोयो

सम्प्रेषण और विपणन संयोजक (कम्युनिकेशन एण्ड मार्केटिंग कोआर्डिनेटर)
डेनियल गिटार वादक हैं और उन्हें यात्राएं करना पसन्द है। डेनियल विश्व सम्मेलन के लिए सम्प्रेषण और विपणन संयोजक (कम्युनिकेशन एण्ड मार्केटिंग कोआर्डिनेटर है। वे फार्माक्यूटिकल एण्ड कन्सल्टिंग के क्षेत्र में व्यापार और विपणन से जुड़े हुए हैं। उन्होंने जीके एमआई के उपमहासचिव और अपनी स्थानीय मण्डली के अध्यक्ष के रूप में सेवाएं दी हैं। वे इण्डोनेशियन बाइबल सोसाइटी की सम्प्रेषण और साझेदारी विकास समिति के सदस्य हैं। उनका विवाह योहाना के साथ हुआ है; उनकी दो वयस्क पुत्रियाँ हैं।

फोटो: ऐरी रूसडियांतो

इण्डोनियाई भाषा के संयोजक
इन्हें समुद्र में मछली मारने और प्रकृति का आनन्द लेने के लिए लम्बी लम्बी यात्राएं करने का बहुत शौक है। **ऐरी** सम्मेलन के लिए इण्डोनियाई भाषा के संयोजक हैं। वे एक शिक्षक हैं और दीपोक, पश्चिम जावा में अपनी स्थानीय मण्डली जीकेएमआई कलीसिया के साथ सेवा करते हैं। उनका विवाह स्रि हरयानि के साथ हुआ है; और इनकी दो वयस्क पुत्रियाँ हैं।

फोटो: अगुस मोयन्ता

सम्मेलन दल को बड़ी खुशी है कि उन्हें दक्षिण पूर्व एशिया के क्षेत्रीय प्रतिनिधि की ओर से भी सहयोग मिल रहा है।

मोटरसाइकिल के शौकीन **अगुस मोयन्तो** इण्डोनेशिया से हैं और दक्षिणपूर्व एशिया (इण्डोनेशिया, म्याँमार, फिलिप्पींस, वियतनाम, थायलैण्ड) के क्षेत्रीय प्रतिनिधि हैं, उन्होंने अपना कार्यकाल अक्टूबर 2018 से आरम्भ किया। वे सेमपाका पुतिह जर्काता में एक जीके एमआई मण्डली के पासवान हैं, जीकेएमआई की एक मिशन संस्था पीआईपीकेए के अध्यक्ष हैं, और पूर्व में उन्होंने एमडब्ल्यूसी मिशन कमीशन के सदस्य और ग्लोबल मिशन फैलोशिप के अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। अगुस और उनकी पत्नी रोसमियाडा सिमनजुंतक की एक बेटी है जो अपनी किशोरावस्था में है।

फोटो:लिसा अंगर

सम्पर्क
indonesia2021@mwc-cmm.org

Indonesia 2021

विश्व सहभागिता रविवार 2019

लैव्यव्यवस्था 19:33–34
लूका 4:18–21
1 पतरस 2:11–12

प्रतिवर्ष, हम विश्व भर की ऐनाबैपटिस्ट कलीसियाओं को प्रोत्साहित करते हैं कि हमारे विश्व ऐनाबैपटिस्ट परिवार के साथ जुड़े रहने के लिए एक समान मूलविषय को आधार बना कर इस दिन अपनी अपनी कलीसिया में आराधना में शामिल हों।

विश्व सहभागिता रविवार एक अवसर होता है जब हम विश्वास के अपने समुदायों को यह स्मरण दिलाते हैं कि हम सब एक ही देह के अंग हैं जो बहुत से गोत्रों, भाषाओं और जातियों से मिलकर बने हैं (प्रकाशितवाक्य 7:9)। इस दिन, हम इस बात को स्मरण कर आनन्द मनाते हैं, कि मसीह में, और पवित्र आत्मा की सामर्थ से, हमें अलग करने वाली सांस्कृतिक और राष्ट्रीय सीमाएं क्रूस के द्वारा हटा दी गई है।

2019 में, मूल विषय था ''पथिकों के साथ न्याय: पलायन और ऐनाबैपटिस्ट मेनोनाइट इतिहास,'' जो लैटिन अमरीकी कलीसियाओं के द्वारा, एमडब्ल्यूसी रिन्यूवल 2027 के मूलविषय, और एमडब्ल्यूसी शान्ति रविवार 2018 के मूल विषय को ध्यान में रख कर तैयार किया गया था। वर्तमान में ऐनाबैपटिस्ट मसीहियों को न्याय स्थापित करने की यीशु के द्वारा की जाने वाली सेवकाई में उसका अनुसरण करने के लिए बुलाया गया है। इसमें पलायन कर आने वाले लोगों को स्वीकार करना भी शामिल है।

काराकास, वेननजुएला में मेनोनाइट मिशन नेटवर्क की एक मण्डली में विश्व सहभागिता रविवार मनाया।
फोटो: साभार इग्लेसिया मेनोनिटा बैरियर एल पराइसो

नीदरलैण्ड्स के ग्रोनिनगेन में एक मेनोनाइट मण्डली सीरिया के एक बारह वर्षीय की गवाही का विडियो देख रही है, जो कह रहा है, ''मैं शरणार्थी हूँ, इसका अर्थ यह नहीं है कि मैं अलग हूँ।''

पास्टर जेकब किक्केर्ट कहते हैं, ''लॉउजेन्स की कहानी जैसी अन्य कहानियाँ यह समझने में हमारी सहायता करती हैं कि हमें अधिक समावेशी (दूसरों को शामिल करने वाला) समाज बनने की आवश्यकता है, और उससे भी अधिक समावेशी कलीसियाएं बनने की आवश्यकता है।''
फोटो हारेन नीदरलैण्ड्स, साभार जेकब एच किक्केट

इग्लेसिया इव्हेंजलिका मेनोनिटा डे चिले – आईइएमसीएच ने धन्यवाद की भेंट चढ़ाते हुए एक शानदार प्रीतिभोज का आयोजन किया जिसमें विश्वासी भाई, बहन, बच्चे, और युवा, संगति करते हुए कुछ समय के लिए मनन और प्रार्थना कर सके।
फोटो: इग्लेसिया मेनोनिटा जोस कारो

कॉंफ्रेसियल इव्हेंजलिका मेनोनिटा, डोमिनिकन रिपब्लिक ने अपनी स्थानीय मण्डलियों को उत्साहित किया कि वे विश्व सहभागिता रविवार के अवसर पर बपतिस्मा दें। मेनोनाइट कलीसियाओं के रिपोर्ट के अनुसार 21 जनवरी 2019 को कुल 138 लोगों ने बपतिस्मा लिया।

ऐनाबैपटिस्ट युवा सहभागिता सप्ताह

इण्डोनेशिया के एक मेनोनाइट चर्च, जीआईटीजे सेमरांग एलजार अनुंग अनिदितो के युवा याब्स सहभागिता सप्ताह 2018 मनाते समय याब्स द्वारा तैयार आराधना मार्गदर्शिका का प्रयोग करते हुए।
फोटो: साभार जीआईटीजे सेमरांग एलजार अनुंग अनिदितो

नमक और ज्योति
16–23 जून 2019

याब्स कमेटी (ऐनाबैपटिस्ट युवाओं की कमेटी) के रूप में, याब्स सहभागिता सप्ताह को प्रतिवर्ष लय में बढ़ता हुआ देख कर उत्साहित हैं, जबकि संसार भर के ऐनाबैपटिस्ट युवा हमारे विश्व परिवार के एक अंग के रूप में इस उत्सव को मनाते हैं।

हमारे चौथे याब्स सहभागिता सप्ताह का मूलविषय है, ''नमक और ज्योति: तब की और अभी की अपनी पहचान को ढूंढ़े,'' यह मत्ती 5:13–16 पर आधारित है। इस सहभागिता सप्ताह की तैयारी में जुटे युवाओं के लिए एमडब्ल्यूसी के वेबसाइट (mwc-cmm.org/yabs) में सहायक सामग्रियाँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इस वर्ष, नमक और ज्योति पर ध्यान केन्द्रित करते हुए, हम यह जानने का प्रयास करेंगे कि इन वर्षों में हमारी ऐनाबैपटिस्ट पहचान में कौन कौन सी बातें बदली हैं और कौन कौन सी बातें नहीं बदली हैं।

- एक अंधकारमय और पापमय संसार में हम नमक और ज्योति के रूप में किस प्रकार से जीवन व्यतीत करते हैं?
- ऐनाबैपटिस्ट मसीहियों के रूप में, हमारे इतिहास में और हमारे वर्तमान में, हमने इसे किस प्रकार से साकार किया है?
- शान्ति स्थापना की भूमिका क्या है?
- इस पहचान में हम एक वैश्विक परिवार के रूप में एक दूसरे को किस प्रकार से उत्साहित कर सकते हैं?

16–23 जून 2019 से याब्स सहभागिता सप्ताह के दौरान ऐसे ही अनेक विषयों पर चर्चा करने के लिए संसार भर के ऐनाबैपटिस्ट युवाओं के साथ शामिल होवें। आने वाले जून माह में हम आराधना, मनन, गवाही, और प्रार्थना में आपके दृष्टिकोण और विचारों को सुनने के लिए आतुर हैं।

अपने फेसबुक पेज (www.facebook.com/younganabaptists/) या इमेल (yabs@mwc-cmm.org) के माध्यम से रचनात्मकता प्रगट करें, याब्स सहभागिता सप्ताह मनाने के बाद इस अवसर की तस्वीरें हमें भेंजे ताकि हम यह जान सकें कि आपने किन बातों का आनन्द उठाया और क्या क्या सीखा!

लारिस्सा स्वार्ट, उत्तर अमरीका के लिए युवा ऐनाबैपटिस्ट प्रतिनिधि।

डीकन्स कमीशन का परिचय

ऊपर पंक्ति से: सियाका त्रोआरे, सभापति (बुरकिना फासो), हेंक स्टेनवर्स, सचिव (नीदरलैण्ड्स), जुर्गब्राकर (स्विट्ज़रलैण्ड), एंजेला ओपिमि (बोलिविया), एप्रैम बाइनेट दिसि म्बेवे (मलावी), डॉग सिडर (कनाडा), विकल प्रवीण राव (भारत), हन्ना सोरेन (नेपाल)

फोटो: पॉल ब्रुबाकर

डीकन्स कमीशन एमडब्ल्यूसी की कलीसियाओं के कल्याण के लिए कार्य करता है, विशेष रूप से कठिनाइयों के समय, परन्तु आनन्द के समय भी। डीकन्स कमीशन कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हमारे भाई बहनों की बातों को सुनने, उनके लिए प्रार्थना करने, उन्हें उत्साहित करने और कलीसियाओं का सहयोग करने और उनकी कठिन परिस्थितियों में ''उनके साथ चलने'' के लिए हाथ बढ़ाता है। कमीशन मुलाकात करने, शिक्षा देने, और भौतिक सहायता करने के द्वारा सदस्य कलीसियाओं के मध्य सेवा के स्वाभाव और व्यवहार को बढ़ावा देता है।

डीकन्स कमीशन की गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल है:

1. ग्लोबल चर्च शेयरिंग फण्ड: सदस्य कलीसियाओं के जीवन और मिशन को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक सहायता।
   - 2017: 3 परियोजनाओं को आर्थिक सहयोग दिया गया।
   - 2018: 10 परियोजनाओं को आर्थिक सहयोग दिया गया।
2. प्रार्थना नेटवर्क: द्विमासिक इमेल (mwc-cmm.org/prayernetwork)
3. डीकन प्रतिनिधिमण्डल विसिट: निवेदन पर, मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस के डीकन्स कमीशन का एक प्रतिनिधिमण्डल एक सदस्य कलीसिया में उनके कठिन समय में उनके साथ चलने, उनकी बातों को सुनने, उनके लिए प्रार्थना करने और यह जताने के लिए जाता है कि वैश्विक कलीसिया परिवार उनकी चिन्ता करता है और उनके इस कठिन समय में उनके साथ खड़ा है।

डीकन्स कमीशन के सचिव हेंस स्टेनवर्स एक कलीसियाई दौरे पर।

फोटो: हेंक स्टेनवर्स

   - 2017: डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉंगो (वेबसाइट में ''जनरस लव अमिड वार इन डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉंगो'' देखें)
   - 2017: पेरू (वेबसाइट में ''एमडब्ल्यूसी डीकन्स कम्युनिकेट द चर्चस् केयर'' देखें)
   - 2017: कोनोसूर सभा और इक्वाडोर (वेबसाइट में ''एमडब्ल्यूसी प्रोवाइड्स केयर आफ्टर द स्टॉर्म'' देखें)।
   - 2017: सुरूंगु, नेपाल में चर्च भवन का अर्पण (वेबसाइट में ''नेपाल चर्च सेलिब्रेट ग्रोथ'' देखें)
   - 2018: कोदोपाली, भारत में चर्च भवन का अर्पण
4. शिक्षा सामग्री: एन ऐनाबैपटिस्ट थियोलॉजी ऑफ सर्विस, लेखक अर्नाल्ड सिनडर (www.mwc-cmm.org/AnabaptistTheologyService)

डीकन्स कमीशन के सदस्य

सियाका त्रोआरे, सभापति (बुरकिना फासो), हेंक स्टेनवर्स, सचिव (नीदरलैण्ड्स), जुर्गब्राकर (स्विट्ज़रलैण्ड), एंजेला ओपिमि (बोलिविया), एप्रैम बाइनेट दिसि म्बेवे (मलावी), डॉग सिडर (कनाडा), विकल प्रवीण राव (भारत), हन्ना सोरेन (नेपाल)

2019 शान्ति रविवार

मूल विषय: शान्ति जो सारे समझ से परे है

मूल पाठ: फिलिप्पियों 4:6–7

तिथि: 22 सितम्बर 2019

नेलसन मंडेला ने कहा था कि कुछ बातें ''तब तक असम्भव प्रतीत होती हैं जब तक वे पूरी नहीं हो जाती।'' कभी कभी शान्ति के पीछे हमारी दौड़ अवास्तविक प्रतीत होती है। कभी कभी हम यह कल्पना भी नहीं कर पाते कि इसे हम किस तरह से हासिल कर सकेंगे। और तौभी, हम शान्ति का पीछा करने के लिए बुलाये गए हैं, भले ही ऐसा लगे कि इसका कोई अर्थ नहीं है। और कभी कभी अद्भुत और चकित करने देने वाली बातें पूरी हो जाती है जब हमारा आचरण मसीह के सुसमाचार के अनुरूप होता है (फिलिप्पियों 1:27)।

इस वर्ष शान्ति रविवार को मनाने के लिए तैयार की जाने वाली सहायक सामग्रियाँ उन अवसरों की ओर ध्यान केन्द्रित करेंगी जब मसीह की शान्ति उन सारी बातों पर प्रबल हो जाती है जो हमें असम्भव प्रतीत होती हैं – संक्षेप में, शान्ति सारे समझ से परे है।

पीस कमीशन

एमडब्ल्यूसी का सहयोग करें

आपकी प्रार्थनाओं और आर्थिक योगदान के प्रति हम अत्यंत आभारी रहेंगे। आपका योगदान हमारे लिए महत्वपूर्ण है। इसकी सहायता से:

- हम विश्व भर में अपने विश्वास के घराने को पोषित करने के लिए अपनी संचार नीतियों को रूप दे सकेंगे और उनका विस्तार कर सकेंगे।
- विश्व सहभागिता रविवार की आराधना के लिए सहायक सामग्रियाँअपनी विविध पृष्ठभूमि में ऐनाबैपटिस्ट मसीहियों के रूप में अपनी सहभागिता की पहचान और गवाही को दृढ़ कर सकेंगे।
- नेटवर्कों और सम्मेलनों के माध्यम से समुदाय को मजबूती दे सकेंगे ताकि हम एक दूसरे से सीख सकें और एक दूसरे का सहयोग कर सकें।

प्रार्थना निवेदनों के लिए www.mwc-cmm.org में जाकर ''गेट इन्वाल्वड्'' टेब पर क्लिक करें, और विभिन्न तरीकों से ऑनलाइन भेंट देने के लिए ''डोनेट'' टेब पर क्लिक करें। या अपनी भेंट मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस में इस पते पर भेजें:

- P.O Box 5364,
  Lancaster, PA 17808 USA
- 50 Kent Avenue,
  Kitchener, ON N2G 3RI CANADA
- Calle 28A No. 16-41
  Piso 2, Bagota, Colombia

अध्यक्ष की कलम से

भेंट देना दूसरों को प्रेरित करता है

काँगो के न्गाबा मेनोनाइट चर्च, किनशासा की महिलाएं भेंट चढ़ाती हुई। फोटो: जे. नेलसन क्रेबिल

मोपुलु मेनोनाइट चर्च इन न्गाबा, (डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ काँगो) में पुलपिट प्लेटफार्म पर मेरी कुर्सी से, आराधना के दौरान मैं मण्डली के प्रत्येक व्यक्ति को देख सकता हूँ। जब एक के बाद एक अलग अलग वर्गों के क्वायर – महिलाओं के क्वायर, पुरूषों के क्वायर, युवाओं के क्वायर, और बच्चों के क्वायर – परमेश्वर की स्तुति करने के लिए आगे आते हैं, तो सामने बैठे बच्चे मुग्ध हो जाते हैं। छोटे से छोटा बच्चा भी यह जानता है कि उन्हें महत्व दिया जाता है और उनकी आवश्यकता महसूस की जाती है।

अफ्रीका की अनेक कलीसिया के समान ही, यहाँ भी भेंट देने का समय एक उत्सव व आनन्द का समय होता है। मण्डली आनन्द से गीत गाती है और वादक अपनी सर्वोत्तम प्रस्तुति देने में जुट जाते हैं, अलग अलग आयु व लिंग वर्ग के समूह मेज की ओर एक एक के आते हैं, जिस पर भेंट की पाँच थैलियाँ रखी होती हैं।

क्रम से, वयस्क महिलाएं, वयस्क पुरूष, युवा महिलाएं, युवा पुरूष, और बच्चे अपनी भेंटो के साथ नृत्य करते हुए आगे आते हैं। कोई सभी थैलियों में भेंट चढ़ाते हैं, तो कोई दो में, तो कोई एक में।

एमडब्ल्यूसी की क्षेत्रीय प्रतिनिधि फ्रांसिसका इबांडा ने मुझे बताया कि इन अलग अलग थैलियों में, सामान्य भेंट, सामाजिक सहायता भेंट, भवन निर्माण भेंट, उपदेशक के लिए भेंट और उस दिन मनाए जा रहे विशेष उत्सव के लिए भेंट चढ़ाई जाती है।

देने वालों का आनन्द और उनकी उदारता मुझे स्मरण दिलाता है कि किस तरह से पवित्रस्थान के निर्माण के लिए इस्राएली लोग भेंट लेकर आ रहे थे। आराधना के तम्बू के निर्माण के लिए बहुतायत से लाई गई भेंटों को देखकर मूसा विस्मित हो कर कह उठा, "जिस काम के करने की आज्ञा यहोवा ने दी है, उसके लिए जितना चाहिए उससे अधिक वे ले आए हैं" (निर्गमन 36:5)।

यह सब देख कर न्गाबा के बच्चे क्या सीख रहे हैं!

भेंट की पाँच थैलियों को देखकर वे मण्डली के बजट के बारे में सीखते हैं: कुछ धन आवश्यकता में पड़े लोगों के लिए, कुछ कलीसिया के अगुवों के सहयोग के लिए, कुछ धन कलीसिया की सुविधाओं के लिए, और कुछ धन कार्यक्रमों के लिए।

भेंट देना परमेश्वर की आज्ञाकारिता का एक हिस्सा है; भेंट देना आनन्द की बात है।

मैंने मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस और अन्य कलीसिया इकाइयों के लिए फण्ड संग्रहण में सहायता की है। यह असत्य सा लगने वाला सत्य है कि जो लोग इतना देते हैं कि स्वयं धन की कमी की कारण कष्ट झेलने लगते हैं, वे लोग अधिक खुश रहते हैं। विश्व के शेष भाग के मसीहियों को अफ्रीकी भाई बहनों से यह सीखना है कि आनन्द प्रगट करते हुए, प्रकट रूप से अपने दसवांश और भेंटे लाना भी आराधना का एक अंग है। अगली पीढ़ी देख रही है और सीख रही है।

जे. नेलसन क्रेबिल, एमडब्ल्यूसी अध्यक्ष (2015–2021) इण्डियाना यूएसए में निवास करते हैं।

पथिकों के साथ न्याय का व्यवहार:ऐनाबैपटिस्ट मेनोनाइट इतिहास

रिन्यूवल 2027 आयोजनों की एक दस वर्षीय श्रृंखला है जो ऐनाबैपटिस्ट आंदोलन के आरम्भ की 500वीं वर्षगाँठ के स्मरण में आयोजित किए जा रहे हैं।

MWC Publications Request

I would like to receive:

MWC Info
A monthly email newsletter with links to articles on the MWC website.

- ☐ English
- ☐ Spanish
- ☐ French

Courier
Magazine published twice a year (April and October)

- ☐ English
- ☐ Spanish
- ☐ French

- ☐ Electronic Version (pdf)
- ☐ Print Version

☐ Mailing delays? Consider the benefits of electronic subscription. Check this box to receive your *Courier/Correo/Courrier* subscription via email only.

Name

_____

Address

_____

_____

_____

Email

_____

Phone

_____

Complete this form and send to:

Mennonite World Conference
50 Kent Avenue, Suite 206
Kitchener, Ontario N2G 3R1 Canada

PHOTO: Tony Schellenberg

छोटे पाहुन

एक बार मैं विदेश यात्रा पर जाने की तैयारी कर रहा था, तब मुझे एक पत्र मिला जो मेरी छोटी बेटी ने मुझे लिखा था जब वह सात वर्ष की थी। इस समय वह 23 वर्ष की है। उसके बचपन की यादें सचमुच में निराली हैं!

इस पत्र को पढ़ कर मुझे अन्य विस्मरणीय पल स्मरण में आने लगे, जैसे, जब वह चार वर्ष की थी, तो उसने मुझसे कहा, ''यीशु सचमुच में काफी फैल चुके हैं? वह अपने आप को फैलाते जाते हैं और फैलाते जाते हैं।'' यह उसके विश्वास का पहला अंगीकार था! जब मैंने उससे पूछा, कि यीशु क्यों फैल चुके हैं, तो उसने मुझे बताया कि ऐसा इसलिए क्योंकि वह हर स्थान पर उपस्थित हैं।

सारी सृष्टि में परमेश्वर की उपस्थिति की सच्चाई को समझने का यह उसका तरीका था।

बालक और बालिकाएं परमेश्वर की ओर से दिए गए सुन्दर दान हैं। वे हमारे जीवनों में आनन्द, बल, आशा – और साथ ही बड़ी चुनौतियाँ ले कर भी आते है (जैसे एक छोटी लड़की को यह शिक्षा कैसे दी जाए कि यीशु हमेशा हमारे बीच में उपस्थित है)।

हमारे परिवारों में जन्म लेने वाले नवजात शिशु हमारे जीवनों में पाहुनों की तरह आते हैं जिन्हें देखभाल, चिन्ता, और स्नेह की आवश्यकता होती है। एक समय आता है, जब वे पाहुनों के ही समान हमसे विदा हो जाते हैं और हमारे घर में कुछ वर्ष पाहुन की तरह रहने के बाद अपनी आगे की जीवन यात्रा को निकल पड़ते हैं।

मेरी बेटियाँ अब हमारे साथ नहीं रहतीं, परन्तु उनके जाने के बाद आज भी हम आपस में विश्वास से जुड़े मुद्दों पर बातचीत करते रहते हैं।

कभी कभी, मैं अपने आप से यह प्रश्न करता हूँ कि क्या हम आज परमेश्वर के विषय में इन बातों पर आपस में चर्चा कर पाते यदि हमने उनकी बाल्यवस्था में इन वार्तालापों की नींव न डाली होती। आज उनके साथ हमारा रिश्ता कैसा होता यदि वे तब हमारे घर में अपनापन और सुरक्षा का अहसास न कर पाती?

जिस तरीके से हम उन पाहुनों के साथ, जो हमारी सन्तान हैं, व्यवहार करेंगे, उससे काफी हद तक यह तय होगा कि उनके साथ हमारा रिश्ता कैसा होता जब वे अपने रास्तों पर बढ़ जाएंगे?

कलीसिया में भी ऐसा ही होता है। प्रत्येक मण्डली में बच्चों के बीच सेवकाई एक महत्वपूर्ण तरीका है जिसके द्वारा हम बालक और बालिकाओं को स्वीकार करते हैं और आशीष देते हैं जब वे हमारे समुदायों में पाहुनों के रूप में आते हैं। जिस तरीके से हम उनके साथ व्यवहार करते हैं, वह काफी हद तक यह तय करता है कि कलीसिया के साथ उनका रिश्ता कैसा होगा जब वे बड़े हो जाएंगे और वयस्कों के रूप में अपनी यात्रा में चल पड़ेंगे।

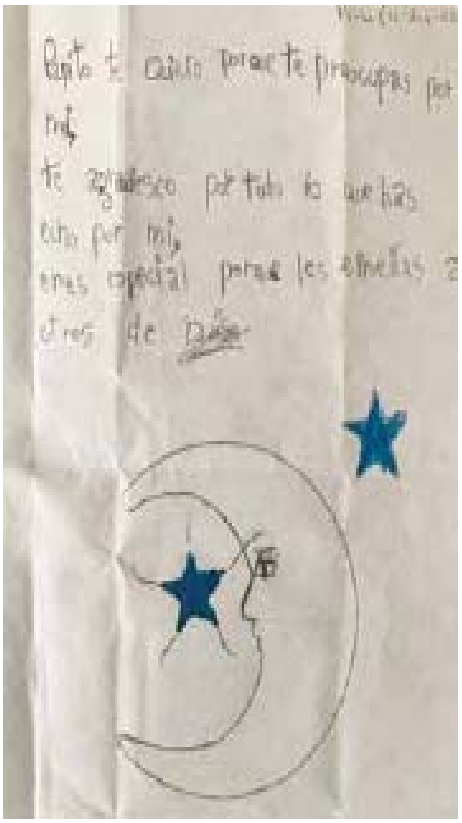

यह दुखद है, बहुत से लोगों को कलीसियाओं में भेदभाव, तिरिस्कार, और यहाँ तक की शारीरिक और भावनात्मक दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है।

कूरियर के इस संस्करण में बच्चों के बीच की जाने वाली सेवकाई पर ध्यान केन्द्रित किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्थानीय कलीसियाओं के माध्यम से हमारी वैश्विक कलीसिया समाज के बालक और बालिकाओं के लिए एक आश्रय और पहुनाई का स्थान बनी रहे। जबकि हम इस महत्वपूर्ण सेवकाई को पूरी करते हैं, कूरियर के इस अंक में अगुवों और शिक्षक शिक्षिकाओं को सावधानीपूर्वक तैयार करने, दुर्व्यवहार से मुक्त वातावरण उपलब्ध कराने, और कलीसिया में बच्चों की सक्रिय भागीदारी जैसे कुछ पहलुओं पर ध्यान केन्द्रित करने का आव्हान किया गया है।

मेरी यह प्रार्थना है कि हमारी मण्डलियाँ ऐसा स्थान बनी रहें जो संसार भर के बालक और बालिकाओं के लिए एक सुखद स्मृति का कारण हो, हमारी मण्डलियाँ ऐसा स्थान बने जहाँ वे सभी पाहुन जिन्हें हम स्वीकार करते हैं, यीशु की उपस्थिति को महसूस करें।

सीजर गार्सिया, एमडब्ल्यूसी के जनरल सेक्रटरी हैं, और किचनर, ओन्टारियो, कनाडा के सचिवालय से अपनी जिम्मेदारियों को सम्भालते हैं।